मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 45 ■ अंक : 234 ■ शुक्रवार 12 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ 4

3 रुपए

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

बॉलीवुड में मुझसे मौके छीने गए

उल्हासनगर में 'जंगल निवासी' मतदाता!

■ घर नहीं, झाड़ियों की जगह सैकड़ों वोटर रजिस्टर्ड

उल्हासनगर. उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनाव के लिए जारी की गई ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में वार्ड नंबर 1 में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। असल में, झाड़ियों और पेड़ों से भरे सुनसान इलाके में, IDI और अमर डाय कंपनियों की कॉलोनी एरिया में सैकड़ों वोटर रजिस्टर्ड कर दिए गए हैं, जहाँ कोई घर ही नहीं है। इससे वोटर लिस्ट की क्रेडिबिलिटी और ट्रांसपेरेंसी पर बड़ा सवालिया निशान लग गया है।

वोटर लिस्ट में डुप्लीकेट और ट्रिपल नाम, बाहर से आए लोगों और मरे हुए लोगों के नाम रहने, और एक वार्ड में रहने वाले नागरिकों के नाम गलती से दूसरे वार्ड की लिस्ट में शामिल होने की शिकायतें बड़े पैमाने पर की गई हैं।

इन गलतियों की वजह से वोटिंग परसेंटेज कभी भी 60-65 परसेंट से आगे नहीं बढ़ पाता है और MNS ने इस घटते वोटर टर्नआउट के लिए उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के इलेक्शन डिपार्टमेंट और महाराष्ट्र इलेक्शन कमीशन की खराब कार्यप्रणाली को जिम्मेदार ठहराया है।

MNS मेट्रोपॉलिटन ऑर्गेनाइज़र मैनुद्दीन शेख ने बताया कि वार्ड नंबर 1 में माइग्रेटेड और गलत तरीके से शामिल वोटर्स के नामों को छोड़कर, वार्ड में रहने वाले नागरिकों के नाम शामिल करने के लिए तय समय में फॉर्मल ऑब्जेक्शन फाइल किया गया है। उन्होंने साफ चेतावनी दी कि अगर ड्राफ्ट ऑब्जेक्शन लेने के बाद भी फाइनल वोटर लिस्ट में गलती ठीक नहीं की गई, तो MNS उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन चुनाव का बॉयकॉट करेगी और उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन इलेक्शन डिपार्टमेंट और महाराष्ट्र इलेक्शन कमीशन के खिलाफ कानूनी लड़ाई शुरू की जाएगी। आने वाले म्युनिसिपल चुनावों के बैकग्राउंड में, वोटर लिस्ट में गलती ने उल्हासनगर के पॉलिटिकल माहौल में हलचल मचा दी है और वार्ड नंबर 1 के नागरिकों और पॉलिटिकल पार्टी के वर्कर्स में बहुत गुस्सा है।

बिल्डर के घर से 13 लाख की सोने की चेन चोरी

ठाणे. नवी मुंबई में 26 वर्षीय रियल एस्टेट डेवलपर के घर में कथित रूप से घुसकर चार लोगों ने 13 लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन चुरा ली। घटना उस वक्त हुई जब युवक विदेश गया था।

पुलिस ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के आधार पर उन्होंने युवक के चालक, अंगरक्षक, घरेलू सहायक और पूर्व चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। नवी मुंबई के खारघर निवासी युवक और उसकी मां 30 नवंबर को इंडोनेशिया के बाली गए थे और सात दिसंबर को लौटे थे। लौटने पर युवक ने पाया कि उसकी 109.7 ग्राम वजनी और 13.2 लाख रुपये मूल्य की सोने की चेन दराज से गायब है।

उल्हासनगर-अंबरनाथ की हवा दूषित

■ धूल से प्रदूषण का खतरा बढ़ा

अंबरनाथ. अंबरनाथ व उल्हासनगर शहर में एयर क्वालिटी 'अनहेल्दी' कैटेगरी में पहुंच गई है और प्रदूषण का लेवल अब मुंबई और ठाणे जैसे मेट्रोपॉलिटन शहरों के करीब है। चिंता जताई जा रही है कि धूल और एयर प्रदूषण की वजह से यहां के लोगों की हेल्थ को खतरा है। प्रदूषण में बढ़ोतरी मुख्य रूप से MIDC इलाके में केमिकल फैक्ट्रियों की वजह से हो रही है। बार-बार होने वाले हादसे, टॉक्सिक एयर लीक और सड़कों पर कंस्ट्रक्शन और बढ़ते ट्रैफिक की वजह से शहर में धूल और धुएं की मात्रा काफी बढ़ गई है।

हवा में बढ़ते धूल के कणों की वजह से, लोगों को लगातार सांस की दिक्कतें, खांसी, सांस लेने में तकलीफ और आंखों में जलन जैसी दिक्कतें हो रही हैं। कल्याण-कर्जत हाईवे पर बढ़ते ट्रैफिक, सड़कों पर गड्ढे, गाड़ियों का धुआं और सड़कों पर जमा कंस्ट्रक्शन मटीरियल और कचरे के ढेर की वजह से हवा में धूल काफी बढ़ गई है। पिछले कुछ सालों में इंडस्ट्रियल एस्टेट में कई गंभीर हादसे हुए हैं, जिससे वर्कर की सुरक्षा और पर्यावरण प्रदूषण का मुद्दा उठा है। सितंबर और नवंबर 2024 में गैस लीक और धमाकों की वजह से वर्कर घायल हुए थे। इससे पहले, 27 मार्च, 2021 को ज़हरीली गैस की वजह से दम घुटने से तीन वर्कर की मौत हो गई थी।

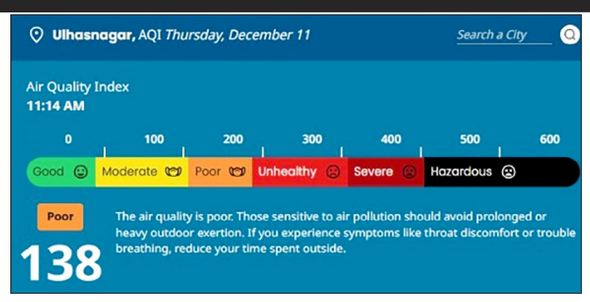

हेल्थ एक्सपर्ट्स की गंभीर चिंता

हेल्थ एक्सपर्ट डॉ. मनोज कंडोई ने इस स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। उनके मुताबिक, फैक्ट्री से निकलने वाले धुएं, गाड़ियों के धुएं और कंस्ट्रक्शन से निकलने वाले PM 2.5 जैसे बारीक कण फेफड़ों में गहराई तक जा रहे हैं। ये ज़हरीले कण अस्थमा, ब्रोंकाइटिस, फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों की संख्या बढ़ा रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने डर जताया कि ये कण खून में मिलकर दिल की बीमारी, हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा 20-30 परसेंट तक बढ़ा रहे हैं।

अंबरनाथ की 13 कंपनियों को बंद करने का आदेश

लोगों की बढ़ती शिकायतों पर ध्यान देते हुए, महाराष्ट्र प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के अधिकारी जयंत कदम ने अहम कार्रवाई की है। उन्होंने मोरीवली और चिखलोली MIDC में कुल 13 कंपनियों को तुरंत बंद करने का आदेश दिया है, जो नियमों का उल्लंघन कर रही हैं और रात में हवा में केमिकल गैस छोड़ रही हैं।

पक्के समाधान की ज़रूरत

सिटी काउंसिल हालात को काबू में करने के लिए सड़कों पर तारकोल बिछाने, धूल कंट्रोल करने के उपाय और बिल्डिंग कोड का सख्ती से पालन करने जैसे तुरंत कदम उठा सकती है, लेकिन एक्सपर्ट्स के मुताबिक, MIDC में इंडस्ट्रीज़ का सेफ्टी सिस्टम मज़बूत करना और शहर में एनवायरनमेंट पॉल्यूशन का पक्का समाधान करना बहुत ज़रूरी है ताकि भविष्य में होने वाले एक्सीडेंट को रोका जा सके और लोगों की सेहत की रक्षा की जा सके।

उल्हासनगर में भी धूल का साम्राज्य

उल्हासनगर शहर में भुयारी गटर के कारण शहर गड्ढेमय बन चुका है। अवैध निर्माणों का कार्य भी शहर में धड़ल्ले से हो रहा है। शहर में प्रदूषण की संख्या दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जिस कारण शहर की आबोहवा बहुत ही खराब हो गई है। शहर में अस्थमा के मरीजों की संख्या में भी भारी वृद्धि हुई है। शहर में केमिकल के कारखाने औद्योगिक क्षेत्र में प्रदूषण फैला रहे हैं। मनपा प्रशासन प्रदूषण को रोकने के लिए कोई भी ठोस कदम नहीं उठा रही है जिस कारण शहर की आबोहवा में सुधार आ सके। जो पानी छिड़काव का गाड़ी शहर में घूम रही है उससे दुपहिया वाहन चालक फिसलकर दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं। भुयारी गटर पाईप लाईन के कारण आज शहर में गड्ढे हैं और उससे निकल रही धूल से शहर प्रदूषित हो चुका है।

दिव्यांगों के सशक्तिकरण के लिए मनपा का बड़ा कदम

■ बस यात्रा में रियायत के लिए पहचान पत्र बांटे गए

उल्हासनगर. दिव्यांग नागरिकों के सशक्तिकरण के लिए उल्हासनगर मनपा ने एक अहम कदम उठाया है। मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले की पहल पर, बस यात्रा में रियायत पाने के लिए पहचान पत्र बांटना शुरू किया गया है। इससे अब दिव्यांग नागरिकों को रोज़ाना यात्रा में आसानी, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी के लिए एक नई दिशा मिलेगी।

मनपा आयुक्त मनीषा अव्हाले द्वारा पहले चरण में लाभार्थियों को पहचान पत्र बांटे जाने के बाद उत्साह और संतुष्टि का माहौल देखा गया। मनपा के दिव्यांग कल्याण योजना विभाग द्वारा 3 दिसंबर को दिव्यांग नागरिकों के लिए एक बहुत ही उपयोगी और फायदेमंद पहल लागू की गई थी। मुख्य प्रशासनिक भवन, पहली मंज़िल, हॉल, उल्हासनगर-3 में हुई इस पहल में, मनपा सीमा के अंदर रजिस्टर्ड दिव्यांग लाभार्थियों को बस सेवाओं में रियायत पाने के लिए खास पहचान पत्र बांटे गए। प्रहार जनशक्ति पार्टी के ठाणे जिला अध्यक्ष एड. स्वप्निल पाटिल और उनके साथियों ने इस पहल के लिए बार-बार लड़ाई लड़ी थी। कार्यक्रम में दिव्यांग संगठनों के प्रेसिडेंट, पदाधिकारी और बड़ी संख्या में दिव्यांग भाई मौजूद थे। कार्यक्रम में दिव्यांग भाइयों की समस्याओं को सुनकर ज़रूरी सुविधाओं को और मज़बूत बनाने के मनपा के इरादे को भी दोहराया गया। दिव्यांग विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने पूरे प्रोग्राम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की।

बदलापुर में ED की रेड से हड़कंप

■ पडघा में ED और ATS को मिले तार

बदलापुर. गुरुवार सुबह पश्चिम के बदलापुर गांव इलाके में एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट की टीम की रेड से गांव में हड़कंप मच गया। यह कार्रवाई इलाके के एक घर पर की जा रही है, और इलाके में बड़ी संख्या में ED के अधिकारी और पुलिस वाले तैनात किए गए हैं। ED संबंधित घर की जांच और पूछताछ कर रही है; हालांकि, अभी तक ऑफिशियल जानकारी नहीं दी गई है। सूत्रों का कहना है कि आज सुबह भिवंडी के पडघा में ED और ATS द्वारा मिलकर किए गए संदिग्ध फाइनेंशियल सपोर्ट ऑपरेशन के दौरान मिली जानकारी का तार बदलापुर गांव के एक व्यक्ति से जुड़ा है। इसी के तहत सुबह ED की एक और टीम बदलापुर पहुंच गई। हालांकि इस संदिग्ध घर में क्या-क्या है, यह जांच के बाद ही साफ होगा, लेकिन बदलापुर में ED की मौजूदगी से कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ऑफिशियल जानकारी का इंतजार किया जा रहा है, और सबका ध्यान आगे की कार्रवाई पर है। यह कार्रवाई कोई टेरर फंड केस की है इसका खुलासा होना बाकी है।

घरों में घुस रहा श्मशान से उठने वाला धुआं

उल्हासनगर के श्मशान घाटों में चिमनी या प्यूरिफिकेशन सिस्टम

उल्हासनगर. मौत के बाद आखिरी विदाई देने वाले श्मशान घाट से निकलने वाला धुआं अब ज़िंदा लोगों की सांसों के लिए खतरा बन गया है। उल्हासनगर के वीनस चौक के पास श्मशान घाट से लगातार उठ रहे धुएं ने इलाके के लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है, और घरों में घुस रहे धुएं ने गंभीर हेल्थ प्रॉब्लम खड़ी कर दी है। धुएं और जलती हुई लकड़ी की तेज़ बदबू ने इलाके का माहौल बर्दाश्त से बाहर कर दिया है।

उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की हद में कुल चार श्मशान घाट हैं और सभी जगहों पर पारंपरिक तरीके से ही लाशों का अंतिम संस्कार किया जाता है। चूंकि एक लाश के अंतिम संस्कार में लगभग 450 से 500 kg लकड़ी का इस्तेमाल होता है, इसलिए बहुत ज़्यादा धुआं निकलता है। चूंकि धुएं को कंट्रोल करने के लिए ज़रूरी चिमनी सिस्टम और स्मोक प्यूरिफिकेशन सिस्टम मौजूद नहीं है, इसलिए यह धुआं सीधे आस-पास के रिहायशी इलाकों में मिल जाता है।

लोगों की मुख्य मांगें

- सभी श्मशान घाटों में चिमनी और धुआं साफ करने के सिस्टम लगाए जाएं।
- 2 इलेक्ट्रिक/गैस कंबशन सिस्टम शुरू किए जाएं।
- प्रशासन लोगों की सेहत की सुरक्षा के उपाय लागू करे।

इलाके के लोगों के मुताबिक, धुआं इतना ज़्यादा है कि बालकनी में खड़ा होना, खिड़कियां खोलना या बच्चों को बाहर खेलने देना भी मुश्किल हो गया है। जलन, सांस लेने में दिक्कत, सिरदर्द के साथ-साथ अस्थमा और एलर्जी की शिकायतें भी बढ़ गई हैं। धुआं लगातार घरों में घुसने से सबसे ज़्यादा असर बुज़ुर्गों, बच्चों और सीनियर सिटिज़न्स पर पड़ रहा है।

लोगों का आरोप है कि म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने धुएं पर कंट्रोल के लिए कोई ठोस और सही कदम नहीं उठाए हैं। जहां श्मशान घाट का विस्तार हो रहा है, वहीं उसी इलाके में रिहायशी इलाका भी बढ़ने से हालात और खराब हो गए हैं। धुएं की बढ़ती शिकायतों को देखते हुए उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन से तुरंत फैसला और कार्रवाई की उम्मीद है।

सिद्धेश्वर एक्सप्रेस में 5.5 करोड़ के सोने के गहने चोरी

कल्याण. मुंबई के गोरेगांव में रहने वाले एक सुनार, जो सोने के गहने बेचते हैं, शनिवार और रविवार को अपनी बेटी के साथ सिद्धेश्वर एक्सप्रेस में दो बैग में करीब 4,456 ग्राम सोने के गहने लेकर सोलापुर से मुंबई जा रहे थे। रात का सफर होने की वजह से सुनार ने दोनों बैग को अपनी सीट के नीचे चेन से बंद कर दिया। इस मौके का फायदा उठाकर चोर सोलापुर से कल्याण के बीच 5.53 करोड़ रुपये के सोने के गहने चुरा ले गया।

मुंबई के गोरेगांव के सुनार अभयकुमार जैन (52) ने रविवार को कल्याण रेलवे पुलिस स्टेशन में इस बारे में शिकायत दर्ज कराई। अभयकुमार का काम बाहर के सुनारों से सोने के गहनों को अलग-अलग तरह की कलाकृतियां बनवाना और उन्हें सोलापुर और जलगांव इलाकों के कुछ सुनारों को बेचना है। उनकी बेटी तनिष्का इस काम में उनकी मदद करती है।

पुलिस स्टेशन के मुताबिक, गुरुवार रात अभय कुमार और उनकी बेटी तनिष्का 4,700 ग्राम सोने के गहनों से भरे दो बैग लेकर दादर से सिद्धेश्वर एक्सप्रेस से

सोलापुर के लिए निकले थे। उन्होंने बैग को अपनी सीट के नीचे चेन से लॉक कर दिया था। वे शुक्रवार सुबह सोलापुर में उतरे।

शुक्रवार और शनिवार को, वे सोलापुर शहर में अपने जाने-पहचाने ज्वैलर्स के पास गए. ज़्यादातर ज्वैलर्स से मिलने के बाद, अभय कुमार ने कुछ गहने बेचे और शनिवार रात 10 बजे अपनी बेटी के साथ सिद्धेश्वर एक्सप्रेस से वापसी के लिए निकल गए।

बेचने के बाद, बचे हुए 4,456 ग्राम सोने के गहने, जिनकी कीमत 5.40 करोड़ और 58 लाख रुपये थी, अभय कुमार के दोनों बैग में थे। वापसी के समय, उन्होंने पास के दोनों बैग को अपने रिज़र्व्ड डिब्बे में अपनी सीट के नीचे चेन से लॉक कर दिया। उन्होंने दोनों बैग की चाबियां अपने चश्मे के केस में रख लीं। बैग लॉक करने के बाद, अभयकुमार यात्रा के दौरान सो गए। उनकी बेटी उनके बगल वाली सीट पर सो गई।

रविवार सुबह अभयकुमार करीब 7 बजे उठे। जब उन्होंने सीट के नीचे देखा, तो चेन में रखे सोने के गहनों वाले बैग गायब थे। दोनों हैरान रह गए। पिता और बेटी ने कोच में बैग ढूंढे। वे नहीं मिले। दोनों को यकीन हो गया कि चोरों ने बैग चुरा लिए हैं। एक्सप्रेस कल्याण रेलवे स्टेशन से निकलकर दादर की ओर बढ़ चुकी थी। अभयकुमार ने एक्सप्रेस में टिकट इंस्पेक्टर से शिकायत की। दादर पहुंचने के बाद अभयकुमार और उनकी बेटी बेचैन हो गए। बैग में मंगलसूत्र, कान के स्टड, अंगूठी, पैंडल, सोने की चेन, हार, नेकलेस, झुमके और नाक की अंगूठी जैसे सोने के गहने थे। अभयकुमार कल्याण आए और सोने के गहनों की चोरी की रिपोर्ट दी। पुलिस ने केस दर्ज कर तुरंत जांच शुरू कर दी है।

अंबरनाथ चुनाव में सोशल मीडिया पर आरोप-प्रत्यारोप

अंबरनाथ. जब चुनाव की बात आती है, तो हम घर-घर जाकर कैंपेनिंग, काम की रिपोर्ट, मैनिफेस्टो, होर्डिंग्स और कैंपेन मीटिंग देखते हैं। ज़मीन पर इस पारंपरिक कैंपेनिंग के साथ-साथ अब सोशल मीडिया पर कैंपेनिंग में आगे रहना भी उतना ही ज़रूरी हो गया है। अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव में कैंपेन के दूसरे फेज़ में, ज़मीन पर कोई ठोस कैंपेनिंग तो नहीं हो रही है, लेकिन सोशल मीडिया पर मुख्य उम्मीदवारों के बीच ज़बरदस्त लड़ाई देखने को मिल रही है। अपने पॉज़िटिव साइड की बात करते हुए, इस कैंपेन की दिशा बदलकर विपक्ष के नेगेटिव साइड की बात करने की हो गई है। निचले लेवल पर कीचड़ उछाला जा रहा है और वोटरों का मनोरंजन किया जा रहा है।

पिछले कुछ सालों में पारंपरिक कैंपेनिंग से चुनाव लड़ने के साथ-साथ नए डिजिटल फ़ॉर्मेट में कैंपेनिंग को भी प्राथमिकता दी गई है। ठाणे ज़िले की A क्लास नगर परिषदों में से अंबरनाथ और कुलगांव बदलापुर नगर परिषदों के चुनाव के मौके पर, पारंपरिक कैंपेनिंग के साथ-साथ दस साल बाद मॉडर्न कैंपेनिंग भी ज़ोरों पर हुई। बदलापुर काउंसिल की पांच सीटों को छोड़कर बाकी सभी पर वोटिंग प्रोसेस पूरी हो गई। हालांकि, अंबरनाथ म्युनिसिपल काउंसिल के लिए वोटिंग प्रोसेस पूरी तरह से टाल दिया गया। अब यह 20 दिसंबर को होगा।

पहले फेज में एक-दूसरे की सीधी बुराई करने वाले कैंडिडेट दूसरे फेज के कैंपेन में थोड़े शांत हो गए हैं। हालांकि, सोशल मीडिया पर कैंपेन अपने पीक पर पहुंच गया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अपनी अच्छी साइड दिखाते हुए, विरोधी की नेगेटिव साइड भी उतने ही निचले लेवल से बताई जा रही है।

कुलगांव बदलापुर म्युनिसिपल काउंसिल चुनाव में शिवसेना (शिंदे) वामन म्हात्रे की BJP ने सोशल मीडिया पर बुराई की। BJP MLA किसन कथोरे और पूर्व मेयर राजेंद्र घोरपड़े की भी सोशल मीडिया पर इसी तरह बुराई हुई। अंबरनाथ म्युनिसिपल काउंसिल चुनाव में भी ऐसा ही होता दिख रहा है।

यहां, शिवसेना (शिंदे) और BJP के बीच सीधी टक्कर दिख रही है। यहां, शिवसेना (शिंदे) से मनीषा अरविंद वालेकर और BJP से तेजश्री करंजुले मैदान में हैं। हालांकि महिला उम्मीदवारों की सीधी आलोचना से बचा जा रहा है, लेकिन उनके पतियों और कैंपेन के इंचार्ज लोगों की आलोचना की जा रही है। एक-दूसरे के पुराने स्कैम और करप्शन के मामले निकाले जा रहे हैं। साथ ही, उनके कैंपेन पर नज़र रखी जा रही है और उनकी कमियां बताई जा रही हैं।

डर-घोटालों के खिलाफ करप्शन और करप्शन-फ्री अंबरनाथ के नारे के साथ अपना कैंपेन शुरू करने वाली BJP की आलोचना करते हुए, उसके नेताओं के लेन-देन में हुए घोटालों की ओर इशारा किया गया है। इस मामले में शिंदे की शिवसेना के एक पदाधिकारी के खिलाफ पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई गई है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

बच्चे भी ले रहे हैं नशा

बच्चों में आमतौर पर नई चीजों को जानने-समझने और परखने की जिज्ञासा होती है। ऐसे में अगर वे नशे का सेवन करने वाले किसी साथी या अन्य व्यक्ति के संपर्क में रहते हैं, तो उन्हें भी यह लत लगने का खतरा बना रहता है। इसके अलावा मानसिक दबाव और तनाव भी बच्चों को नशे के जाल में धकेल सकता है।

देश भर में हाल में किए गए एक अध्ययन में इन पहलुओं को उजागर किया गया है। दिल्ली एम्स के शोधकर्ताओं ने कुछ अन्य शोधार्थियों के साथ मिलकर यह अध्ययन किया, जिसमें पाया गया कि स्कूली छात्रों के बारह साल या इससे कम उम्र में ही नशे की जद में आने का जोखिम बना रहता है। इसका मुख्य कारण आज के दौर में बच्चों का नशीले पदार्थों तक आसानी से पहुंच है। सवाल है कि इस स्थिति के लिए कौन जिम्मेदार है? शहर से लेकर गांव तक नशे का जो काला कारोबार फैल रहा है, उसे रोकने के प्रयास जमीनी स्तर पर कारगर साबित क्यों नहीं हो पा रहे हैं?

दरअसल, एम्स का यह अध्ययन राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली, बंगलुरु और हैदराबाद समेत देश के दस शहरों एवं उनके आसपास के ग्रामीण इलाकों में किया गया। इसमें सरकारी और निजी स्कूली के छात्रों को शामिल किया गया। इस दौरान पंद्रह फीसद छात्रों ने कम से कम एक बार नशीले पदार्थों का सेवन करने की बात स्वीकार की, जबकि दस फीसद ने पिछले एक वर्ष में मादक पदार्थ लेने की बात कही। इससे पता चलता है कि बारह वर्ष या उससे कम उम्र में भी बच्चे नशे का शिकार हो रहे हैं।

अध्ययन के दौरान एक महत्त्वपूर्ण पहलू यह भी सामने आया कि कई बार बच्चे पारिवारिक कलह से उपजे तनाव को कम करने के लिए भी नशीले पदार्थों का सहारा लेते हैं। इससे स्पष्ट है कि बच्चों की मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए पारिवारिक माहौल का स्वस्थ होना कितना जरूरी है। अभिभावकों की यह भी जिम्मेदारी है कि वे बच्चों के साथ नियमित संवाद करें तथा उन्हें सही और गलत का बोध कराएं। साथ ही शासन-प्रशासन को भी चाहिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए उसकी जड़ों पर प्रहार किया जाए।

विचार: सत्ता के संस्कार बदलने का अनुष्ठान

रायसीना हिल्स पर इन दिनों जो हो रहा है, वह साधारण नहीं है। वहां सिर्फ इमारतें नहीं बन रहीं, बल्कि एक पुरानी और जंग लगी मानसिकता ढह रही है। प्रधानमंत्री कार्यालय अब 'सेवा-तीर्थ' होगा और राजभवन 'लोक भवन'। लुटियंस दिल्ली के कुलीन हलकों में इसे लेकर सवाल है कि क्या यह सिर्फ नेमप्लेट बदलने की रस्म है? जवाब है-नहीं। यह उस औपनिवेशिक आत्मा से मुक्ति का अनुष्ठान है, जो आजादी के बाद भी हम पर हावी रही। शब्द सिर्फ बोलते नहीं, वे सोचते भी हैं। अंग्रेजों ने भारत पर सिर्फ बंदूक से राज नहीं किया, उन्होंने शब्दों से हमें गुलाम बनाया। उन्होंने खुद को 'शासक' और हमें 'प्रजा' माना। वह ढांचा 'हुकूमत' के लिए था, 'सेवा' के लिए नहीं।

जब पीएमओ 'सेवा-तीर्थ' बनता है, तो वह सत्ता के गलियारों में बैठे अफसर को याद दिलाता है कि वह मालिक नहीं, सेवक है। यह बदलाव ईंट-गारे का नहीं, उस 'लौह-ढांचे' को पिघलाने का है, जिसे हमने 75 साल तक ओढ़े रखा। यह भाषाई गुलामी के पिंजरे को तोड़ने की एक जरूरी और साहसिक शुरुआत है। इसे राजनीति नहीं, राष्ट्रनीति की नजर से देखिए। 'कलेक्टर' शब्द को देखिए। आखिर जिले के मुखिया को कलेक्टर क्यों कहा जाता है? इतिहास के पन्ने पलटेंगे तो जवाब वर्ष 1772 में मिलेगा। यह वारेन हेस्टिंग्स की ईजाद थी। उस वक्त मकसद 'जनसेवा' नहीं, सिर्फ लगान 'कलेक्ट' करना था। 'कलेक्टर' शब्द में 'लेने' का भाव है, 'देने' का नहीं। यह शब्द कुर्सी पर बैठने वाले के दिमाग में 'माई-बाप' होने का अहंकार भर देता है, जबकि हमारा संविधान 'कल्याणकारी राज्य' की बात करता है। कौटिल्य ने यूं ही प्रशासनिक प्रमुख के लिए 'समाहर्ता' शब्द नहीं चुना था। समाहर्ता यानी वह, जो बिखरे हुए को सहेजे, जो समाज के सूत्रों को जोड़े। अंग्रेज 'कलेक्टर' महज उगाही जानता था। इसके विपरीत भारतीय चिंतन के 'समाहर्ता' का मर्म 'पोषण' में है, प्रजा के योगक्षेम में है।

प्रधानमंत्री कार्यालय को 'सेवा-तीर्थ' कहना सत्ता का चरित्र-बदल की कोशिश है। 'सेवा-तीर्थ' सामंती मानसिकता पर चोट है। जब दफ्तर 'तीर्थ' बन जाता है, तो वहां झूठ बोलना या रिश्वत लेना अपराध नहीं 'पाप' हो जाता है। यह नैतिक दबाव है। यह सत्ता को 'भोग' से खींचकर 'सेवा'-'साधना' के धरातल पर लाता है। आलोचक इसे रंग दे सकते हैं, पर यह उस भारतीयता की वापसी है जहां सेवा परम धर्म है।

राजभवन को 'लोक भवन' कहना भी लोकतंत्र के आत्मा की वापसी जैसा है। संविधान की शुरुआत 'हम भारत के लोग' से होती है, 'हम भारत के राजा' से नहीं। जब बुनियाद 'लोक' है, तो इमारत 'राज' वाली क्यों? सामंती बोर्ड क्यों टंगे रहें? 'राजभवन' शब्द उस 'लाट-साहबी' दौर की याद है, जब शासक ऊंची हवेलियों में जनता से दूर रहता था। 'राज' शब्द शासक और शासित के बीच की खाई को गहरा करता है।

सरकार की नीयत साफ है और दिशा भी, लेकिन अभी जो हो रहा है, वह 'तदर्थवाद' है। कहीं कोई शहर का नाम बदल रहा है, कहीं कोई सड़क का। इसमें न कोई एकरूपता है, न वैज्ञानिक दृष्टि। इससे विवाद उपजते हैं। वक्त आ गया है कि इस प्रक्रिया को संस्थागत जामा पहनाया जाए। सरकार को एक वैधानिक 'राष्ट्रीय नामकरण एवं प्रशासनिक शब्दावली सुधार आयोग' का गठन करना चाहिए। नाम बदलना एक गंभीर सांस्कृतिक विमर्श होना चाहिए। इस आयोग में नेताओं की जगह इतिहासकार, भाषाविद और समाजशास्त्री बैठें। नाम बदलने की प्रक्रिया को 'राजनीतिक लाभ' के चश्मे से हटाकर 'सांस्कृतिक पुनर्जागरण' के रूप में स्थापित करना होगा।

भारत की एकता उसकी विविधता में है। अगर तमिलनाडु में बदलाव हो तो वहां 'कोट्टम' या 'नाडु' जैसे शब्द गूंजें। महाराष्ट्र में शिवाजी के 'अष्टप्रधान' की धमक हो। इससे न केवल गुलामी के निशान मिटेंगे, बल्कि क्षेत्रीय भाषाओं का स्वाभिमान भी लौटेगा। जिन्हें यह बदलाव 'संकीर्ण राष्ट्रवाद' लगता है, वे जरा दुनिया देखें। भारत अकेला नहीं है। यह एक वैश्विक शुद्धि यज्ञ है, जिसे दुनिया 'डीकोलोनाइजेशन' कहती है। दक्षिण अफ्रीका ने रंगभेद मिटने के बाद 'पोर्ट एलिजाबेथ' (अब गकेबरहा) जैसे कई शहरों के नाम बदले, ताकि वहां के मूल निवासियों को उनकी खोई हुई पहचान वापस मिल सके। न्यूजीलैंड अपनी माओरी संस्कृति को पुनर्स्थापित कर रहा है। अमेरिका भी इससे अछूता नहीं है।

प्रत्येक साँस अनमोल है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

10% कटौती के बाद भी हालात काबू में क्यों नहीं?

विमानन कंपनी इंडिगो में उड़ान परिचालन का संकट अभी थमा नहीं है। अब तक हजारों उड़ानें रद्द की जा चुकी हैं, जिसका सीधा असर यात्रियों पर पड़ा है। सरकार ने इस मामले की तहकीकात शुरू कर दी है और साथ ही स्पष्ट किया है कि जांच निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में स्थिति को संभालने के लिए सरकार ने इंडिगो की उड़ानों में दस फीसद की कटौती कर दी है।

इस बात को तो सरकार ने भी माना है कि व्यवस्थागत खामियों की वजह से यह संकट पैदा हुआ है, लेकिन किस स्तर पर चूक हुई है, इसका पता जांच पूरी होने के बाद ही चल पाएगा। मगर सवाल है कि यह संकट खड़ा होने से पहले ही इसका समाधान तलाशने की जरूरत क्यों महसूस नहीं की गई? इस अव्यवस्था का खमियाजा यात्रियों को क्यों भुगतना पड़ रहा है? दिल्ली उच्च न्यायालय ने भी बुधवार को इस पर चिंता जताते हुए केंद्र सरकार से पूछा कि आखिर ऐसी स्थिति क्यों उत्पन्न होने दी गई। साथ ही कहा कि यह यात्रियों को हुई परेशानी और उत्पीड़न के अलावा देश की अर्थव्यवस्था को होने वाले नुकसान का भी सवाल है।

हैरत की बात है कि जिन नए नियमों की वजह से इंडिगो में उड़ान परिचालन का संकट उपजा, उस आदेश को वापस लेने के बाद भी स्थिति सामान्य नहीं हो पा रही है। मसला सिर्फ यह नहीं है कि उड़ान रद्द होने से यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी हुई, बल्कि उन्हें दूसरी कंपनियों की उड़ान का सहारा लेने के लिए सामान्य से कई गुना अधिक किराये का भुगतान करना पड़ा। यही वजह है कि उच्च न्यायालय ने इस पर कड़ा संज्ञान लेते हुए सवाल किया कि ऐसी संकटपूर्ण स्थिति में अन्य विमानन कंपनियां हालात का फायदा उठाकर यात्रियों से टिकटों के लिए भारी कीमत कैसे वसूल सकती हैं!

हालांकि, इस समस्या के उजागर होने के बाद सरकार ने फिलहाल दूरी के आधार पर हवाई किराये की सीमा तय कर दी है, लेकिन सवाल यह है कि विमानन कंपनियों की यह मनमानी कोई एक बार की बात नहीं है। जब कभी उड़ान परिचालन का संकट पैदा होता है या फिर अत्यधिक व्यस्त समय हो, तो यात्रियों से मनमाना किराया वसूलना आम बात है। आखिर सरकार की ओर से इस पर अंकुश लगाने के लिए स्थायी तौर पर व्यवस्था क्यों नहीं की जाती है?

इसमें दो राय नहीं है कि पिछले करीब एक सप्ताह से उड़ान परिचालन में संकट के कारण अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ा है। देश भर में हर रोज हजारों लोग विमानों में सफर करते हैं और अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाए रखने में विमानन क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान है। इंडिगो देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी है और घरेलू उड़ान क्षेत्र के लगभग पैंसठ फीसद हिस्से को नियंत्रित करती है।

सरकार का तर्क है कि इंडिगो की उड़ानों में कटौती से परिचालन को सामान्य करने में मदद मिलेगी। वहीं, नागर विमानन महानिदेशालय ने कंपनी पर निगरानी के लिए आठ सदस्यीय दल गठित किया है, जो रोजाना उड़ानों के परिचालन पर गहन नजर रखेगा। सवाल है कि इस तरह के उपाय अगर जरूरी थे, तो सरकार ने संकट पैदा होने के तत्काल बाद ये कदम क्यों नहीं उठाए? यात्रियों को केवल विमानन कंपनियों के भरोसे क्यों छोड़ दिया गया?

उम्मीद की जानी चाहिए कि सरकार और विमानन कंपनियां जनहित को सर्वोपरि रखकर स्थायी समाधान की दिशा में कदम बढ़ाएंगी, ताकि भविष्य में इस तरह का संकट पैदा न हो।

इंसानों ने कब से सीखा आग जलाना?

जरा हट के

इंसान धरती पर कब आए, उन्होंने जरूरत से जुड़ी चीजें कम सीखीं. उन्होंने खुद को कैसे ढाला और मॉडर्न इंसानों में कैसे तब्दील हुए? ये कुछ ऐसे सवाल हैं जो शायद हर किसी के दिमाग में आते होंगे. मगर हर किसी को इसके बारे में जानकारी नहीं है. हाल ही में एक रिसर्च ने लोगों को चौंका दिया जो हमारे पूर्वजों से जुड़ी है. दरअसल, इस रिसर्च में बताया गया कि इंसानों ने आग जलाने का हुनर कब से सीख लिया था. अगर आप सोच रहे हैं 30-40 हजार साल पहले....तो आप गलत हैं. असल समय जानकर आपके होश उड़ जाएंगे.

ब्रिटेन के वैज्ञानिकों ने एक बड़ी खोज की है, जो यह बता सकती है कि इंसानों ने आग जलाना हजारों साल पहले सीख लिया था. इस नई खोज के मुताबिक, आज के पूर्वी इंग्लैंड में करीब 4 लाख साल पहले इंसानों ने जान-बूझकर आग जलाना शुरू कर दिया था.

वैज्ञानिकों ने ये बात काफी दावे से कही है. अब तक वैज्ञानिक मानते थे कि इंसानों ने सबसे पहले आग जलाना लगभग 50,000 साल पहले सीखा था, जिसका प्रमाण फ्रांस के निएंडरथल स्थलों से मिला था लेकिन इस नई खोज ने उस अनुमान को नया टाइमलाइन दे दिया है जो उस दौर से भी साढ़े 3 लाख साल पहले की है.

ABC News की रिपोर्ट के अनुसार यह खोज इंग्लैंड के सफ़ोक में बार्नहैम नाम के इलाके में हुई है जो एक स्टोन एज से जुड़ी जगह है. इस जगह पर कई दशकों से खुदाई चल रही है. ब्रिटिश म्यूज़ियम की टीम को वहां कई तरह के प्रमाण मिले हैं. सबसे पहले तो उन्हें पकी हुई मिट्टी का एक बड़ा हिस्सा मिला जो तेज़ गर्मी से बदल गया था. इसके अलावा उन्हें फ्लिंट (चकमक पत्थर) के हाथ से बनाए गए औज़ार मिले जो बहुत ज्यादा गर्मी से टूट गए थे. इसके साथ ही आयरन पाइराइट के दो टुकड़े भी मिले. ये एक ऐसा खनिज है जो फ्लिंट से टकराने पर चिंगारी पैदा करता है. इन सबूतों ने मिलकर बताया कि उस जगह पर आग नेचुरली नहीं लगी, बल्कि जान-बूझकर जलाई गई थी.

आलू का अचार

क्या आप जानते हैं कि आप आलू का अचार भी बना सकते हैं? जी हां, आलू का भी अचार बनता है और यह स्वाद में लाजवाब होता है। बिहार और नेपाल में इसे खूब खाया जाता है। अगर आप भी आलू का अचार ट्राई करना चाहते हैं, तो यहां पढ़ें इसकी पूरी रेसिपी।

सामग्री

- उबले हुए आलू- 4 से 5
- सरसों का तेल- लगभग 1/4 कप
- राई/सरसों के दाने- 1 चम्मच
- मेथी दाना- 1/2 चम्मच
- सौंफ- 1 चम्मच
- हल्दी पाउडर- 1/2 चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर- 1 से 1.5 चम्मच (या स्वादानुसार)
- अमचूर पाउडर- 1 चम्मच
- नमक- स्वादानुसार
- हींग- 1 चुटकी
- सिरका- 1 चम्मच

बनाने का तरीका

सबसे पहले आलू को उबाल लें, उन्हें पूरी तरह ठंडा होने दें, फिर

छीलकर मध्यम आकार के चौकोर टुकड़ों में काट लें। अब एक सूखे पैन में राई/सरसों के दाने, मेथी दाना और सौंफ को धीमी आंच पर तब तक भूनें जब तक कि उनसे अच्छी खुशबू न आने लगे। फिर इन्हें ठंडा करके दरदरा पीस लें। इसके बाद एक कड़ाही में सरसों का तेल डालें और धुआं निकलने तक तेज गरम करें। इसके बाद, गैस बंद करके तेल को थोड़ा ठंडा होने दें। जब तेल हल्का गरम हो, तो उसमें सबसे पहले हींग, फिर हल्दी पाउडर और लाल मिर्च पाउडर डालें। तेल की गरमी से मसाले भुन जाएंगे। ध्यान रखें कि तेल बहुत ज्यादा गर्म न हो। अब कटे हुए आलू के टुकड़ों को एक बड़े बर्तन में लें। इसमें पिसे हुए दरदरे मसाले, अमचूर पाउडर, नमक और सिरका डालें। अब तैयार गरम मसाले वाला तेल आलू के ऊपर डालें। हल्के हाथों से सभी सामग्री को अच्छी तरह मिलाएं ताकि मसाला हर आलू के टुकड़े पर ठीक से लग जाए। आपका स्वादिष्ट आलू का अचार तुरंत खाने के लिए तैयार है। इसे एक सूखे, एयरटाइट जार में रखें।

सुबह खाली पेट आंवला खाने की ताकत?

शरीर पहले ही देने लगता है खतरे के 5 संकेत; समय रहते कर लें पहचान

आंवला विटामिन C का खजाना है। अक्सर लोग इसे अनदेखा कर देते हैं क्योंकि इसका स्वाद थोड़ा कसैला होता है, लेकिन इसके फायदे इतने हैं कि आप हैरान रह जाएंगे। अगर आप अपनी सुबह की शुरुआत आंवले के जूस या कच्चे आंवले के साथ करते हैं, तो यकीन मानिए आपका शरीर भी आपको धन्यवाद देगा। आइए, बिना देर किए जान लीजिए इसे सुबह-सवेरे खाने के 5 कमाल के फायदे।

■ लोहे-सी मजबूत इम्युनिटी

आंवले में संतरे के मुकाबले कई गुना ज्यादा विटामिन C होता है। जब आप इसे खाली पेट खाते हैं, तो यह शरीर में पूरी तरह से अवशोषित हो जाता है। यह आपके शरीर की रोगों से लड़ने की ताकत बढ़ाता है, जिससे मौसम बदलने पर होने वाली सर्दी, खांसी और जुकाम आपको छू भी नहीं पाते।

■ पाचन होगा दुरुस्त

क्या आपको अक्सर पेट में गैस, कब्ज या एसिडिटी की शिकायत रहती है? आंवला फाइबर से भरपूर होता है। सुबह इसका सेवन करने से यह आपके पेट और आंतों की सफाई करता है। यह पाचन तंत्र को इतना मजबूत बना देता है कि आप दिन भर जो भी खाएंगे, वो आसानी से पच जाएगा।

■ वजन घटाने में मददगार

अगर आप वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं, तो आंवला आपका सबसे अच्छा दोस्त बन सकता है। खाली पेट आंवला जूस पीने से मेटाबॉलिज्म तेज होता है।

यह शरीर में जमा टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है और जिद्दी चर्बी को पिघलाने में मदद करता है।

■ चमकती त्वचा

महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स को भूल जाइए। जी हां, क्योंकि आंवला एक नेचुरल ब्लड प्यूरिफायर है। यह खून को साफ करता है, जिससे चेहरे पर होने वाले कील-मुंहासे कम हो जाते हैं। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स आपकी त्वचा को जवान बनाए रखते हैं और चेहरे पर एक अलग ही नेचुरल ग्लो आता है।

■ बालों के लिए वरदान

बालों का झड़ना और समय से पहले सफेद होना आज हर दूसरे व्यक्ति की समस्या है। आंवला बालों के लिए टॉनिक का काम करता है। यह बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और उन्हें घना व काला रखने में मदद करता है।

■ आंखों की रोशनी बढ़ाए

आजकल स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताने से हमारी आंखें कमजोर होने लगी हैं। आंवले में मौजूद कैरोटीन आंखों की सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। नियमित रूप से इसका सेवन करने से आंखों की रोशनी तेज होती है और चश्मा हटने की संभावना भी बढ़ जाती है।

■ कैसे बनाएं डाइट का हिस्सा?

सबसे अच्छा तरीका है कि सुबह 10-20 मिलीलीटर आंवले के जूस को आधे गिलास गुनगुने पानी में मिलाकर पिएं। अगर आप कच्चा आंवला खा सकते हैं, तो एक आंवला रोज सुबह चबाकर खाएं।

आज का राशिफल

मेष : निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। भाग्य का साथ मिलेगा। पुराना रोग उभर सकता है। विवाद से क्लेश संभव है। जल्दबाजी न करें।

वृषभ : कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। कर्ज लेना पड़ सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दूसरों से अपेक्षा पूर्ण नहीं होने से खिन्नता रहेगी। कार्य में विलंब होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मिथुन : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। निवेश शुभ रहेगा। आय होगी। प्रमाद न करें। पुराने शत्रु परेशान कर सकते हैं। थकान व कमजोरी रह सकती है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कर्क : कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा। लंबे समय से रुके कार्यों में गति आएगी। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। शत्रु परास्त होंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह : कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्नता रहेंगे। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

कन्या : धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। भाइयों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। कुसंगति से हानि होगी।

तुला : कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। शत्रु परास्त होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

वृश्चिक : आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें। चोट व रोग से बचें। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें।

धनु : भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। प्रसन्नता रहेगी। किसी गलती का खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। जल्दबाजी व लापरवाही न करें। अज्ञात भय सताएगा। पुराना रोग उभर सकता है।

मकर : आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है। किसी व्यक्ति से बेवजह विवाद हो सकता है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। कार्य में विलंब होगा। चिंता तथा तनाव रहेंगे। आय में निश्चितता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

कुंभ : पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे। घर में तनाव रह सकता है। प्रयास सफल रहेंगे।

मीन : आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में चैन रहेगा। आय में वृद्धि होगी। मित्रों के साथ समय मनोरंजक व्यतीत होगा।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

चाय-कॉफी बिना फ्रेश होने नहीं जा पाते आप?

क्या आप उन लोगों में से हैं जिनका दिन तब तक शुरू नहीं होता जब तक कि उन्हें चाय या कॉफी न मिल जाए? क्या आपको लगता है कि वॉशरूम जाने के लिए कैफीन का सहारा लेना जरूरी है? अगर हां, तो न्यूट्रिशनिस्ट हीना त्रिवेदी के मुताबिक यह आदत 'क्रॉनिक कॉन्स्टिपेशन' का संकेत हो सकती है। यह सुनने में नॉर्मल लग सकता है, लेकिन यह कंडीशन आपके पाचन तंत्र के लिए खतरे की घंटी है। आइए जानते हैं कि यह आदत आपके शरीर पर क्या असर डालती है।

■ शरीर के संकेतों की अनदेखी

अगर आप लम्बे समय तक शौच के लिए चाय या कॉफी पर निर्भर रहते हैं, तो समय के साथ आपकी आंतों की मांसपेशियां कमजोर हो सकती हैं। इसका नतीजा यह होता है कि आपका शरीर अपने प्राकृतिक संकेतों को पहचानना बंद कर देता है। यानी, आपको बिना कॉफी के यह महसूस ही नहीं होगा कि आपको वॉशरूम जाना है।

■ पानी की कमी और डिहाइड्रेशन का खतरा

रात भर सोने के बाद हमारे शरीर में पानी की कमी हो जाती है। ऐसे में, अगर आप दिन की शुरुआत सीधे कॉफी से करते हैं, तो यह डिहाइड्रेशन को और बढ़ा सकता है। दरअसल, कॉफी में एक 'ऑस्मोटिक लैक्सेटिव' इफेक्ट होता है, जो शरीर के अन्य हिस्सों से पानी खींचकर आंतों में ले आता है। भले ही इससे आपको तुरंत राहत मिल जाए, लेकिन यह शरीर के बाकी हिस्सों को डिहाइड्रेट कर देता है। इसके कारण मल सख्त हो सकता है और कब्ज की समस्या और भी बदतर हो सकती है।

■ गंभीर हैं इस आदत के नुकसान

अगर आप अचानक कॉफी पीना छोड़ दें, तो हो सकता है कि आपका पेट साफ ही न हो या आपको बहुत सख्त मल की समस्या हो जाए। इसके अलावा, अगर आपको अल्सर या क्रॉनिक गैस्ट्राइटिस (पेट की सूजन) की समस्या है, तो सुबह की कॉफी से बचना आपके लिए बेहद जरूरी है।

■ समस्या का सही समाधान क्या है?

चाय और कॉफी केवल अस्थायी राहत दे सकते हैं, लेकिन अपनी पाचन सेहत को सुधारने के लिए आपको जड़ से इलाज करना होगा। अगर आप इन लक्षणों को महसूस कर रहे हैं, तो इन उपायों को अपनाएं:

खान-पान में बदलाव: अपने भोजन में फाइबर की मात्रा बढ़ाएं। इसके लिए साबुत अनाज, फल, सब्जियां और फलियां खाएं। एक दिन में लगभग 25 से 30 ग्राम फाइबर लेने का लक्ष्य रखें।

भरपूर पानी पिएं: दिन भर में खूब पानी पिएं। कोशिश करें कि आप दिन में कम से कम 8 गिलास पानी जरूर पिएं ताकि शरीर हाइड्रेटेड रहे।

याद रखें, चाय-कॉफी का सहारा छोड़कर अपने शरीर को प्राकृतिक रूप से स्वस्थ बनाना ही लंबे समय के लिए फायदेमंद है।

क्यों पीना चाहिए टमाटर सूप?

■ कैंसर से सुरक्षा

लाइकोपीन टमाटर को लाल रंग देता है और यह कैंसर से बचाव में भी मददगार है. शोध बताता है कि ज्यादा लाइकोपीन खाने से कुल कैंसर का जोखिम 5–11% तक कम होता है. खासकर महिलाओं में स्तन कैंसर का खतरा भी लगभग 28% तक घट जाता है. इसमें मौजूद बीटा और अल्फा कैरोटीन भी इस काम में मदद करते हैं.

■ त्वचा और आंखों के लिए अच्छा

सर्दियों की ठंडी हवा आपकी त्वचा को रूखा कर देती है, लेकिन टमाटर सूप इसका भी समाधान है. बीटा कैरोटीन और लाइकोपीन त्वचा को UV डैमेज से बचाते हैं, और ल्यूटिन व ज़ेक्सैंथिन आंखों की रक्षा करते हैं. यह आंखों में हानिकारक नीली रोशनी को फिल्टर करता है और विज़न सुधारता है.

■ हृदय और कोलेस्ट्रॉल

टमाटर सूप दिल के लिए भी बहुत फायदेमंद है. यह कुल और LDL कोलेस्ट्रॉल कम करता है और HDL कोलेस्ट्रॉल की कार्यप्रणाली बेहतर बनाता है. लाइकोपीन आंत में कोलेस्ट्रॉल अवशोषण को कम करता है और हृदय को स्वस्थ रखता है.

■ इम्यूनिटी बूस्टर

सर्दियों में सर्दी-जुकाम से बचाव की सबसे आसान चीज़ है टमाटर सूप. इसमें मौजूद विटामिन C इम्यूनिटी बढ़ाता है और सर्दी के लक्षणों को कम करता है. मतलब, सिर्फ स्वाद ही नहीं, यह शरीर को बीमारियों से लड़ने में भी मदद करता है.

अगली बार जब आप ठंड में कुछ गर्म पीने का सोचें, तो टमाटर का सूप बनाना याद रखें. इसे ब्रेड, टोस्ट या क्रिस्पी ब्रेड के साथ पी सकते हैं और पूरा परिवार इसका आनंद ले सकता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

सड़क हादसे में दूल्हे की मौत

सीतापुर. यूपी के सीतापुर में दर्दनाक सड़क हादसे में एक दूल्हे की मौत हो गई। इमलिया सुल्तानपुर के विशुनपुर में गुरुवार को कोहरे के कारण द्रश्यता कम होने से ई- रिक्शा आगे चल रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली में घुस गया। टक्कर से ई-रिक्शा का एंगल टूटकर आगे बैठे दूल्हे के सीने में घुस गया। जिससे उनकी मौत हो गई। वहीं, पिता समेत चार लोग चोटिल हो गए। हादसा सामूहिक विवाह समारोह में जाते समय हुआ। इमलिया सुल्तानपुर के टीकर बहादुरगंज निवासी शिवकुमार के बेटे अंकित कुमार (19) की शादी रामकोट के अंगदपुर निवासी पूजा से तय हुई थी। गुरुवार को परसेंडी में आयोजित सामूहिक विवाह में समारोह में शादी होनी थी। अंकित सुबह ई-रिक्शा से बारात लेकर ई-रिक्शा से परसेंडी के लिए निकला था।

बहन से आशिकी पर भाई का खौल उठा खून, जीजा-साले ने मिलकर पुजारी की हत्या कर दी

झांसी. यूपी के झांसी में दो दिसंबर को हुई सिद्धपीठ में पुजारी की हुई हत्या से पुलिस ने परदा उठा दिया है। लड़की से मोहब्बत में पुजारी की हत्या की गई थी। लड़की के भाई को जब पुजारी से आशिकी की खबर मिली तो उसका खून खौल उठा, उसने जीजा संग मिलकर पुजारी को खत्म करने का प्लान बनाया और जीजा-साले ने माइक का रॉड मारकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने एक को धर-दबोचा, जबकि जीजा अब भी फरार है। उसकी तलाश तेज कर दी है। निगोनाखेड़ा निवासी विशाल कुशवाहा (23) बेटा गनेश कुशवाहा बरुआसागर बस स्टैंड स्थित प्राचीन सिद्धपीठ पर हवन-पूजन कराते थे। बीती दो दिसंबर की रात पूजन की तैयारी हो रही थी। तभी वहां पर दुकान लगाने वाला बाला कुशवाहा अपने बहनोई सलिल के साथ आया और गाली-गलौज करने लगा। इन लोगों ने विशाल का गला दबाने की कोशिश की। जिससे वह बेहोश हो गया। मंदिर के पुजारी सहित अन्य उसे उठाकर अंदर लाए। इसके बाद बाला ने उस पर माइक की रॉड से ताबड़-तोड़ बार कर दिया। 6 दिसंबर को ग्वालियर में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

ड्यूटी के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकत्री की हार्टअटैक से मौत, पति ने लगाए आरोप

पीलीभीत . यूपी में एसआईआर के दौरा हार्ट अटैक पड़ने से मौत के कई मामले सामने आए हैं। ऐसा ही मामला पीलीभीत जिले से भी सामने आया है। यहां एक आंगनबाड़ी कार्यकत्री की ड्यूटी के दौरान हार्टअटैक से मौत हो गई। पति का आरोप है कि पत्नी को निर्वाचन के एसआईआर कार्य के लिये भी अफसरों ने लगाया था। अत्यधिक दबाब पत्नी की मौत का कारण बना है। वहीं बाल विकास विभाग की प्रभारी सीडीपीओ का कहना है कार्यकत्री की ड्यूटी लिखित रूप से नहीं लगी है। सिर्फ सहयोग के लिये समन्वय बनाकर काम कर रहीं थीं। बिलसंडा से सटे घनश्यामपुर गांव के रहने वाले रमेश चन्द्र ने बताया कि बुधवार सुबह करीब 11 बजे के वक्त उनकी पत्नी तारावती (50) की हार्टअटैक से मौत हो गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पत्नी को विभागीय कार्य के अलावा एसआईआर के काम की भी जिम्मेदारी अफसरों ने दबाब बनाकर दी थी। सुबह शाम उसकी मॉनिटरिंग और फार्म अपलोडिंग से लेकर विभागीय कार्य के तनाव के प्रेशर में उनकी हार्टअटैक से मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रोकर बुरा हाल है। साथी आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों ने घटना पर दुःख व्यक्त किया है। वहीं दूसरी ओर बाल विकास विभाग की प्रभारी सीडीपीओ सुरभि सक्सेना ने बताया कि तारावती हमारी वर्कर जरूर थीं। लेकिन एसआईआर में लिखित रूप से उनकी ड्यूटी नही लगी है। डीएम ज्ञानेंद्र सिंह का कहना है कि एसडीएम बीसलपुर को भेजा गया है। पूरी रिपोर्ट मांगी है।

अमित शाह ने 102 डिग्री बुखार में दिया 'वोट चोरी' का जवाब

- सदन छोड़कर चले गए राहुल

नई दिल्ली. लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के "वोट चोरी" आरोपों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जोरदार पलटवार किया। सूत्रों के अनुसार जब गृह मंत्री लोकसभा में बोल रहे थे उस समय वह बुखार से ग्रस्त थे। उनके शरीर का तापमान 102 डिग्री था। सदन की कार्यवाही से ठीक पहले डॉक्टरों ने उनका स्वास्थ्य परीक्षण किया और बुखार कम करने की दवाइयां दीं। बुखार के बावजूद अमित शाह ने करीब डेढ़ घंटे का भाषण दिया और विपक्ष के हर आरोप वोट चोरी, स्पेशल रिविजन इंस्पेक्शन (SIR) और चुनाव आयोग में नियुक्तियों पर विस्तृत और आक्रामक तरीके से जवाब दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अमित शाह की सराहना करते हुए कहा कि उनका भाषण उत्कृष्ट, तथ्यपूर्ण और विपक्ष के झूठों को उजागर करने वाला था।

आपको बता दें कि राहुल गांधी

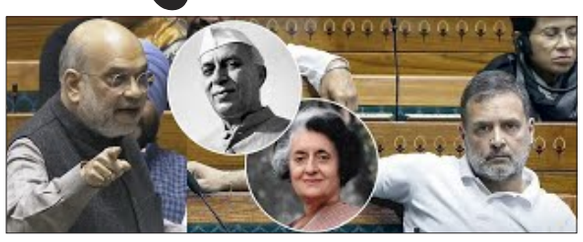

हाल के दिनों में कई मंचों पर "वोट चोरी" का मुद्दा उठा चुके हैं और इसे "हाइड्रोजन बम" तक कह चुके हैं। बिहार चुनाव से पहले उन्होंने इस मुद्दे पर रैली भी की थी और सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र में फिर से इसे उठाया। सदन में चर्चा के दौरान गृह मंत्री शाह ने राहुल गांधी को चुनौती देते हुए कहा कि कोई उन्हें यह नहीं बता सकता कि उन्हें किस क्रम में क्या बोलना चाहिए।

उन्होंने विपक्ष पर दोहरी नीति अपनाने का भी आरोप लगाया। अमित शाह ने कहा, "जब आप जीतते हैं, नई पोशाक पहनकर शपथ लेते हैं और सूची बिल्कुल ठीक लगती है। लेकिन जब बिहार की तरह जमीन खिसक जाती है तब अचानक मतदाता सूची में गड़बड़ी दिखने लगती है। यह दोहरा चरित्र अब नहीं चलेगा।" आपको बता दें कि अमित शाह जब जवाब देने लगे तो कुछ ही देर में राहुल गांधी संसद की अगुवाई में विपक्ष संसद छोड़कर बाहर चला गया।

- SIR पर भी दिया विस्तार से जवाब

अमित शाह ने कहा कि SIR पर संसद में चर्चा होना आवश्यक नहीं था, लेकिन उन्होंने विपक्ष की मांग मानकर बहस में हिस्सा लिया ताकि यह दिखाया जा सके कि सरकार किसी भी मुद्दे से भाग नहीं रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोप चुनाव आयोग को आधिकारिक रूप से सौंपे ही नहीं गए थे।

नरेंद्र मोदी के बाद कौन बनेगा PM?

- RSS प्रमुख मोहन भागवत ने दिया जवाब

नई दिल्ली. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उत्तराधिकारी को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। जबकि, भारतीय जनता पार्टी साफ कर चुकी है कि 2029 का चुनाव भी पीएम मोदी के नेतृत्व में ही लड़ा जाएगा। इसी बीच राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ यानी RSS के प्रमुख मोहन भागवत से भी इसे लेकर सवाल पूछा गया। इसपर उन्होंने कहा कि वह बस शुभकामनाएं दे सकते हैं।

एक कार्यक्रम के दौरान भागवत से पूछा गया कि मोदी जी के बाद अगला पीएम कौन होगा? इसपर संघ प्रमुख ने कहा, 'कुछ सवाल मेरे अधिकार क्षेत्र से बाहर हैं। इसमें मैं अपनी राय नहीं दे सकता। मैं सिर्फ शुभकामनाएं दे सकता हूं। और कुछ नहीं।'

उन्होंने आगे कहा, 'मोदी जी के बाद कौन होगा, यह तय मोदी जी और बीजेपी को करना है।' दरअसल, कुछ दिनों पहले भाजपा में रिटायरमेंट की नीति को लेकर अगले पीएम उम्मीदवार को लेकर अटकलों का दौर शुरू हो गया था। हालांकि, भाजपा ने बदलाव से इनकार किया था। पीएम मोदी ने सितंबर में 75वां जन्मदिन मनाया है।

भाजपा क्या बोली?

एनडीटीवी के एक कार्यक्रम में पहुंचे सीएम फडणवीस से पीएम मोदी के संभावित उत्तराधिकारी के संबंध में सवाल किया गया। इसपर उन्होंने कहा कि किसी और का नाम सोचने की जरूरत नहीं है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी स्वस्थ हैं और वही 2029 में नेतृत्व करेंगे। उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी पूरी तरह से स्वस्थ हैं। वह किसी 40 वर्षीय शख्स से ज्यादा कड़ी मेहनत करते हैं। वह दिन में 17 घंटे से ज्यादा काम करते हैं और कभी भी बैठकों के दौरान जम्हाई नहीं लेते हैं।'

PM ऑफिस में मोदी-राहुल की डेढ़ घंटे मीटिंग चली

- राहुल ने चीफ इन्फोर्मेशन कमिश्नर की नियुक्ति पर सवाल उठाए, असहमित पत्र सौंपा

नई दिल्ली. संसद के शीतकालीन सत्र में गहमागहमी के बीच बुधवार को PM मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नए चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर (CIC) और 8 इन्फॉर्मेशन कमिश्नर्स की नियुक्ति को लेकर मीटिंग की। प्रधानमंत्री कार्यालय (PMO) में यह मीटिंग करीब डेढ़ घंटे चली यह बैठक हुई।

इसमें गृह मंत्री अमित शाह भी शामिल थे। सूत्रों के अनुसार, राहुल ने कुछ हफ्ते पहले सरकार से आवेदकों और चुने गए उम्मीदवारों की जाति (Caste) की जानकारी मांगी थी। सरकार ने बुधवार को नेता प्रतिपक्ष से इसकी जानकारी साझा की। सूत्रों के मुताबिक, आवेदकों की लिस्ट में सिर्फ 7% लोग पिछड़े समुदाय से थे।

वहीं, चयनित उम्मीदवारों में सिर्फ एक नाम पिछड़े समुदाय से था। राहुल ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और सभी नियुक्तियों के मानदंडों पर सवाल उठाए। उन्होंने लिखित में अपना असहमति पत्र सौंपा और चयनित उम्मीदवारों से जुड़ी और जानकारी मांगी।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने एक RTI के जवाब में बताया था कि 21 मई को जारी विज्ञापन के बाद CIC के पद के लिए 83 आवेदन मिले। वहीं 14 अगस्त 2024 को इन्फॉर्मेशन कमिश्नर्स के पदों के लिए जारी विज्ञापन पर 161 आवेदन मिले थे।

राहुल CIC चुनने वाले 3 सदस्यीय सिलेक्शन कमेटी के सदस्य

केन्द्रीय सूचना आयोग एक वैधानिक संस्था है। यह सूचना का अधिकार (RTI) अधिनियम के तहत नागरिकों को सरकारी जानकारी दिलाने में मदद करती है। आयोग में एक चीफ इन्फॉर्मेशन कमिश्नर और अधिकतम 10 इन्फॉर्मेशन कमिश्नर्स होते हैं।

यूपी समेत छह राज्यों में बढ़ाई गई SIR की समय-सीमा

- चुनाव आयोग ने जारी किया नया शेड्यूल

नई दिल्ली. चुनाव आयोग ने यूपी समेत छह राज्यों में स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (SIR) की समयसीमा बढ़ा दी है। आयोग ने संशोधित एसआईआर का नया शेड्यूल जारी किया है।

कई राज्यों के सीईओ ने चुनाव आयोग से मांग की थी कि 11 दिसंबर को खत्म हो रहे एसआईआर के लिए समयसीमा को आगे बढ़ा दिया जाए, जिसके बाद गुरुवार को चुनाव आयोग ने इसे बढ़ाने का फैसला किया। चुनाव आयोग ने यूपी, तमिलनाडु, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के वोटर्स को राहत दी है।

यूपी में 11 दिसंबर तक होने वाला एसआईआर अब 26 दिसंबर तक चलेगा। वोटरों को 15 दिनों का और समय दिया गया है, जिससे वे वोटर लिस्ट में जगह बना सकें और अपने डॉक्युमेंट्स जमा कर सकें। 31 दिसंबर को नामावलियों का पब्लिकेशन होगा और 28 फरवरी, 2026 को वोटर लिस्ट का अंतिम पब्लिकेशन होगा। उत्तर प्रदेश में 26 दिसंबर (शुक्रवार) तक रिवाइज्ड एन्यूमरेशन और 31 दिसंबर (बुधवार) तक पब्लिकेशन की तारीख है।

चुनाव आयोग के नए शेड्यूल के अनुसार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और अंडमान व निकोबार में अब 18 दिसंबर तक रिवाइज्ड एन्यूमरेशन और 23 दिसंबर (मंगलवार) को पब्लिकेशन होगा। तमिलनाडु में अब 14.12.2025 (रविवार) तक रिवाइज्ड एन्यूमरेशन की तारीख को बढ़ाया गया है, जबकि पब्लिकेशन की डेट 19.12.2025 (शुक्रवार) हो गई है। गुजरात में 14 दिसंबर (रविवार) तक रिवाइज्ड एन्यूमरेशन और 19 दिसंबर (शुक्रवार) को पब्लिकेशन हो सकेगा।

संसद में बैठकर ई-सिगरेट पी रहे TMC के सांसद

नई दिल्ली. संसद के शीतकालीन सत्र के बीच भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सांसद पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि कई दिनों से टीएमसी के सांसद सदन में बैठकर ई सिगरेट पी रहे हैं। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने लोकसभा में कहा, ''सदन की जानकारी के लिए है, देशभर में ई सिगरेट बैन हो चुकी है, क्या आपने (स्पीकर) अलाऊ कर दी है? टीएमसी के सांसद कई दिनों से पी रहे हैं। आप चेक करवाइए। सदन में सिगरेट पीना अलाऊ कर दिया है क्या?'' इस पर लोकसभा स्पीकर ने कहा कि मैं सभी सदस्यों से आग्रह करता हूं। हमें संसदीय परंपराओं और नियमों का पालन करना चाहिए।

संकट में बुरी तरह प्रभावित रहे यात्रियों को मिलेगा 10 हजार का ट्रैवल वाउचर

- IndiGo का बड़ा ऐलान

हाल ही में बड़ा संकट झेलने वाली एयरलाइन कंपनी इंडिगो ने गुरुवार को बड़ा ऐलान किया है। कंपनी ने कहा है कि तीन से पांच दिसंबर के दौरान जो यात्री बुरी तरह से प्रभावित रहे थे, उनके लिए कंपनी दस हजार रुपये का ट्रैवल वाउचर देगी। हालांकि, अभी कंपनी ने यह नहीं बताया है कि बुरी तरह से प्रभावित यात्रियों में कौन से यात्री शामिल होंगे।

कंपनी ने एक बयान में कहा है, ₹इंडिगो दुख के साथ यह मानती है कि 3,4,5 दिसंबर 2025 को यात्रा करने वाले हमारे कुछ कस्टमर्स कई घंटों तक कुछ एयरपोर्ट्स पर फंसे रहे और भीड़भाड़ के कारण उनमें से कई बुरी तरह प्रभावित हुए। हम ऐसे बुरी तरह प्रभावित कस्टमर्स को 10,000 के ट्रैवल वाउचर देंगे।₹ इसमें आगे कहा गया है, ₹इन ट्रैवल वाउचर का इस्तेमाल अगले 12 महीनों में किसी भी भविष्य की इंडिगो यात्रा के लिए किया जा सकता है।₹

इंडिगो ने बताया कि यह मुआवजा उस मुआवजे की राशि से अलग है, जो उसने सरकार की गाइडलाइंस के अनुसार यात्रियों को देने का वादा किया था। इन यात्रियों की फ्लाइट्स उड़ान भरने के 24 घंटे के भीतर कैंसल कर दी गई थी। वह मुआवजा पांच हजार से दस हजार के बीच में था।

वहीं, सूत्रों के अनुसार, इंडिगो ने बेंगलुरु एयरपोर्ट से 60 फ्लाइट्स आज भी कैंसल कर दी गई हैं। हालांकि, एयरलाइन ने गुरुवार को 1,950 से ज्यादा फ्लाइट्स ऑपरेट करने की अपनी योजना की घोषणा की है।

कफ सिरप केस में STF को बड़ी कामयाबी

लखनऊ. यूपी एसटीएफ को बड़ी कामयाबी मिली है। एसटीएफ ने कोडीन युक्त सिरप का अवैध भंडारण करने में दो आरोपियों सगे भाई अभिषेक शर्मा और शुभम शर्मा को लखनऊ में गिरफ्तार किया। दोनों सहारनपुर के रहने वाले है। कोडीन युक्त सिरप प्रकरण की जांच में लगी एसटीएफ और एफएसडीए ने अभी तक कई खुलासे किए हैं। वहीं सिरप प्रकरण की जांच के लिए गठित एसआईटी कई बिन्दुओं पर अपनी कार्रवाई आगे बढ़ाएगी। एसआईटी जांच में यह भी देखेगी कि पिछले साल जांच के बाद दर्ज एफआईआर में पूर्व सांसद का करीबी बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह, अमित टाटा का नाम विवेचना में सामने आ चुका था, फिर भी इसे दबाए क्यों रखा गया।

तलाक के समय पत्नी ने नहीं मांगी एलिमनी, कंगन भी लौटाए

- SC बोला- बहुत दुर्लभ समझौता, खुश रहो

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक आपसी सहमति से तलाक के मामले में महिला की जमकर तारीफ की। दअसल महिला ने तलाक लेते समय किसी तरह का गुजारा भत्ता यानी एलिमनी नहीं मांगी। इतना ही नहीं, विवाह के समय पति की मां द्वारा उपहार में दिए गए सोने के कंगन भी वापस कर दिए। अदालत ने इसे अत्यंत दुर्लभ समझौता बताते हुए अपने संवैधानिक अधिकारों के तहत विवाह को भंग कर दिया।

लाइव लॉ की रिपोर्ट के मुताबिक, यह मामला न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई हेतु सूचीबद्ध था। सुनवाई की शुरुआत में ही महिला की ओर से पेश वकील ने अदालत को सूचित किया कि उनकी मुवक्किल किसी प्रकार का भरण-पोषण या अन्य आर्थिक प्रतिपूर्ति की मांग नहीं कर रही हैं।

अदालत को बताया गया कि केवल सोने के कंगन लौटाना शेष है। पीठ ने पहले गलतफहमी में यह समझा कि पत्नी अपना स्त्री-धन वापस मांग रही है, लेकिन जैसे ही वकील ने स्पष्ट किया कि ये कंगन तो महिला खुद लौटा रही है, जो शादी के समय पति की मां ने उन्हें भेंट किए थे, तो न्यायमूर्ति पारदीवाला मुस्कुरा उठे। उन्होंने कहा- यह बहुत ही दुर्लभ समझौता है जो हमने देखा है। आजकल ऐसे उदाहरण कम ही देखने को मिलते हैं।

भारत ने जूनियर हॉकी वर्ल्डकप में ब्रॉन्ज जीता

- आखिरी 11 मिनट में 4 गोल करके अर्जेंटीना को 4-2 से हराया
- 9 साल बाद मेडल आया

भारत ने 9 साल बाद जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप में ब्रॉन्ज मेडल जीत लिया है। जूनियर टीम इंडिया ने आखिरी 11 मिनट में 4 गोल करके 2021 की चैंपियन अर्जेंटीना को 4-2 से हराया।

2 बार (होबार्ट 2001 और लखनऊ 2016) की वर्ल्ड चैंपियन भारतीय टीम ने आखिरी बार 2016 में कोई मेडल जीता था। पिछले 2 बार टीम ब्रॉन्ज पदक का मुकाबला हारकर चौथे स्थान पर रही थी।

3 क्वार्टर तक 2 गोल से पिछड़ने के बाद भारत ने शानदार वापसी की। टीम इंडिया ने आखिरी 11 मिनट में दनादन 4 गोल करके खचाखच भरे मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम में मानो जान फूंक दी।

भारत के लिए अंकित पाल (49वां), मनमीत सिंह (52वां), शारदानंद तिवारी (57वां) और अनमोल इक्का (58वां) ने गोल दागे। वहीं, अर्जेंटीना के लिए निकोलस रौद्रिगेज (पांचवां) और सैंटियागो फर्नांडिस (44 वां) ने गोल किये।

हॉकी इंडिया ने हर प्लेयर को 5-5 लाख रु. देने की घोषणा की

ब्रॉन्ज जीतने के बाद हॉकी इंडिया ने जूनियर टीम इंडिया के हर खिलाड़ी को 5-5 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की। इतना ही नहीं, हॉकी इंडिया ने सपोर्ट स्टाफ को 2.5 लाख रुपए देने का ऐलान किया।

गोवा अग्निकांड; लूथरा ब्रदर्स थाईलैंड में हिरासत में लिए गए

- हाथों में हथकड़ी, पासपोर्ट पकड़े तस्वीर आई
- घटना के समय टिकट बुक करके भागे थे

नई दिल्ली. गोवा के बिर्च नाइट क्लब में अग्निकांड के पांचवें दिन, गुरुवार को क्लब के मालिक सौरभ लूथरा और गौरव लूथरा को थाईलैंड में हिरासत में लिया गया है। थाइलैंड पुलिस ने दोनों भाइयों की तस्वीरें भी जारी की हैं, जिनमें उनके हाथों में हथकड़ी लगी है। वे अपने पासपोर्ट पकड़े हुए हैं।

सूत्रों के अनुसार, भारतीय अधिकारियों की एक टीम थाईलैंड के लिए रवाना हो चुकी है और 24 घंटे के भीतर लूथरा ब्रदर्स को वापस लेकर आएगी। संभावना है कि भारत लाने के बाद गोवा पुलिस दोनों को अपनी हिरासत में लेगी।

बिर्च नाइट क्लब में 6 दिसंबर को आग लगने से 25 लोगों की मौत हो गई थी। घटना के बाद दोनों भाई भारत छोड़कर थाईलैंड फरार हो गए थे। दोनों पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही का मामला दर्ज किया गया है।

लूथरा बद्रर्स ने आग लगने के समय थाईलैंड के टिकट बुक किए थे

जांच एजेंसियों के मुताबिक, सौरभ और गौरव लूथरा ने थाईलैंड के लिए फ्लाइट टिकट उस समय बुक किए, जब गोवा में उनके नाइट क्लब में फायर ब्रिगेड की टीम आग पर काबू पाने और फंसे हुए लोगों को बचाने की कोशिश कर रही थीं।

अधिकारियों ने बताया कि लूथरा भाइयों ने 6-7 दिसंबर की रात 1:17 बजे ऑनलाइन ट्रैवल कंपनी की वेबसाइट पर लॉग इन किया था।

अरुणाचल में ट्रक गहरी खाई में गिरा

- 22 की मौत, सभी असम से मजदूरी करने आए थे
- 13 शव बरामद

पूर्वोत्तर भारत में भारत-चीन सीमा के पास बीते सोमवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां अरूणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले में एक बस अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक हादसे में बस में सवार 22 में 21 मजदूरों की मौत हो गई है। इनमें से अधिकार असम के रहने वाले थे। वहीं एक मजदूर को सुरक्षित निकाल लिया गया है। गाड़ी सड़क निर्माण कार्य में लगे मजदूरों को लेकर जा रही थी।

हादसे के बाद मिली जानकारी के मुताबिक बस को खाई में गिरता देख स्थानीय लोगों ने पुलिस को

इसकी सूचना दी। इसके बाद पुलिस राहत और बचाव दल के साथ घटनास्थल पर पहुंची। अब तक मिली सूचना के मुताबिक खाई से अब तक 13 मजदूरों के शव निकाले जा चुके हैं। वहीं अन्य शवों की तलाश जारी है।

स्थानीय मीडिया ने बताया है कि मृतकों में अधिकतर मजदूर असम के तिनसुकिया जिले के गेलपुखुरी टी एस्टेट के रहने वाले थे। जानकारी के मुताबिक ये सभी मजदूर हेलोंग चागलागम सड़क निर्माण परियोजना के लिए जा रहे थे। हालांकि गाड़ी मेटेलियांग नाम की एक जगह के पास अनियंत्रित हो गई और खाई में कई मीटर अंदर जा गिरी। हालांकि हादसे की वजह को लेकर अब तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने कहा है कि मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

मामले की जानकारी देते हुए अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले के DDMO (प्रभारी) नांग चिंगनी चौपू ने एएनआई को बताया, ₹यह घटना भारत-चीन सीमा पर स्थित अरुणाचल प्रदेश के अंजॉ जिले के चागलागम सर्कल में हुई।

अब होटल, फ्लाइट में Aadhaar की फोटो कॉपी दिखाने का झंझट खत्म!

नई दिल्ली. पहचान प्रमाण के तौर पर Aadhaar कार्ड अहम हिस्सा बन चुका है चाहे वह होटल चेक-इन, कॉन्सर्ट या एअरपोर्ट पर एंट्री हो। Aadhaar कार्ड की फोटोकॉपी देना हमेशा जोखिम भरा साबित हुआ है क्योंकि इससे आपका पूरा नाम, पता और 12-डिजिट नंबर किसी भी जगह पर सेव या संभाल लिया जाता है जो बाद में आइडेंटिटी फ्रॉड या डेटा मिसयूज़ का कारण बन सकता है। UIDAI ने अब एक Aadhaar Offline Verification सिस्टम पेश किया है, जो पहचान को और सुरक्षित, तेज और प्राइवेसी-फ्रेंडली तरीके से वैरिफाई करता है। इस नई प्रोसेस में यूजर्स को अपनी पूरी Aadhaar फोटोकॉपी या नंबर साझा करने की आवश्यकता नहीं होती इसके बजाय केवल डिजिटल रूप से साइन किया हुआ फ़ाइल या सिक्योर QR कोड प्रोवाइड करना होता है।

नया Aadhaar ऐप कैसे डाउनलोड करें और ऑफलाइन वेरिफिकेशन कैसे करें?

Step 1: ऐप डाउनलोड करें: Google Play Store या Apple App Store खोलें और UIDAI के ऑफिशियल "Aadhaar" ऐप को सर्च करें। फिर उसे डाउनलोड कर इंस्टॉल कर लें। ऐप खोलें और अपनी पसंद की भाषा सिलेक्ट करें। इसके बाद रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया शुरू होगी।

Step 2: अपना Aadhaar नंबर दर्ज करें और OTP से वेरिफाई करें

अपने आधार कार्ड पर छपे 12 अंकों का Aadhaar नंबर ठीक वैसे ही टाइप करें। UIDAI आपके रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर एक OTP भेजेगा। इस OTP को डालकर यह पुष्टि करें कि Aadhaar से लिंक मोबाइल नंबर आपके पास है।

Step 3: अनिवार्य फेस-ऑथेंटिकेशन पूरा करें

ऐप अब आपसे लाइव फेस स्कैन करने के लिए कहेगा। आपके चेहरे को UIDAI के रिकॉर्ड में मौजूद फोटो से मैच किया जाएगा। यह स्टेप बेहद जरूरी है ताकि कोई और व्यक्ति आपका Aadhaar नंबर या OTP जानकर भी आपका प्रोफाइल सेट न कर सके।

Step 4: छह अंकों का PIN सेट करें

फेस ऑथेंटिकेशन सफल होने के बाद आपको 6-अंकों का सिक्योरिटी PIN बनाना होगा। यह PIN ऐप में आपके Aadhaar प्रोफाइल के लिए मुख्य लॉक की तरह काम करता है। आप चाहें तो अपने फोन का बायोमेट्रिक अनलॉक भी एक्टिव कर सकते हैं। ध्यान रखें यह केवल सुविधा के लिए है, लेकिन ऐप सेटअप के दौरान फेस-मैचिंग अनिवार्य ही रहेगी।

Step 5: सेटअप पूरा करें

सभी परमिशन और आवश्यक प्रॉम्प्ट को स्वीकार करें और रजिस्ट्रेशन प्रोसेस पूरा करें। इसके बाद आप ऐप में अपना डिजिटल Aadhaar एक्सेस कर सकेंगे और इसे अपने PIN या फोन की बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन से अनलॉक कर पाएंगे।

ऑफलाइन वेरिफिकेशन कैसे होगा?

जब भी आपको कहीं Aadhaar दिखाना हो आपको बस ऐप खोलकर अपना डिजिटल Aadhaar या डायनेमिक QR कोड दिखाना होगा। सर्विस प्रोवाइडर इस QR कोड को स्कैन करके केवल वही जानकारी देख पाएंगे, जो आप उस समय शेयर करना चाहते हैं। यानीः फोटो कॉपी नहीं देनी होगी, डाटा लीक की चिंता नहीं, सिर्फ जरूरत की जानकारी ही शेयर होगी।

संक्षेप...

संपत्ति विवाद को लेकर पत्नी ने की मारपीट, पति अस्पताल में भर्ती

ठाणे. ठाणे शहर में एक महिला ने घर उसके नाम नहीं करने के कारण अपने 46 वर्षीय पति पर कथित तौर पर हमला कर दिया। पुलिस ने बताया कि यहां वागले एस्टेट इलाके में रहने वाले अकाउंटेंट को सोमवार को हुई इस घटना में चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दोनों की शादी इसी साल जून में हुई थी।

श्रीनगर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि पति ने अपना घर अपनी पत्नी के नाम करने से इनकार कर दिया था जिसके बाद उनके बीच झगड़ा हुआ था। उन्होंने बताया कि महिला ने कथित तौर पर रसोई के चाकू और धातु के चाय के बर्तन से अपने पति पर हमला किया।

भिवंडी के बोरीवली गांव में ED, IT और ATS की संयुक्त रेड

आतंकी आर्थिक लेनदेन मामले की जांच जारी

भिवंडी. ईडी,इनकम टैक्स डिपार्टमेंट और ATS ने रात से ही मुंबई-नासिक हाईवे पर भिवंडी तालुका के पडघा के पास बोरीवली गांव में संयुक्त रेड शुरू कर दी है. आतंकी घटनाओं से जुड़े आर्थिक लेनदेन की जांच के सिलसिले में गांव के कई घरों पर यह कार्रवाई की जा रही है. उक्त कार्रवाई के दौरान गांव में बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात की गई है. कार्रवाई में शामिल 25 से ज्यादा कारों का काफिला गांव के बाहर खेत में खड़ा है.

जानकारी के मुताबिक, भिवंडी के पडघा, पुणे, मालेगांव समेत महाराष्ट्र में करीब 40 जगहों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है. बताया जा रहा है कि बोरीवली गांव की कार्रवाई ISIS टेरर मॉड्यूल से जुड़े संदिग्ध फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन की जांच में की जा रही है. NIA द्वारा दर्ज केस के आधार पर ED ने हाल ही में एक ECIR रजिस्टर कर समग्र जांच को साकिब नाचन केस से जोड़ा गया है. 28 जून को जेल में मारे गए साकिब नाचन के अंतिम संस्कार के बाद ATS की यह पहली बड़ी कार्रवाई मानी जा रही है.ATS ने ED और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के साथ मिलकर एक जॉइंट ऑपरेशनल ग्रिड बनाते हुए टेरर फंडिंग से मिली जानकारी के आधार पर तुरंत कार्रवाई की है. पुलिसिया कार्रवाई से बोरीवली गांव एक बार फिर समूचे महाराष्ट्र में चर्चा में आ गया है. समूचा गांव पुलिस छावनी बन गया है.कार्यवाही से पूरे गांव में भारी दहशत का माहौल देखा गया है.

तेंदुए के भेष में विधानसभा पहुंचा विधायक

मीडिया से बोला- पूरे राज्य में इमरजेंसी घोषित होनी चाहिए

नागपुर. महाराष्ट्र विधानमंडल का विशेष शीतकालीन सत्र नागपुर में आयोजित किया गया है। बुधवार को सत्र के दौरान एक अजीबोगरीब दृश्य सामने आया। दरअसल महाराष्ट्र विधानसभा के एक विधायक तेंदुए के भेष में विधानभवन पहुंच गए। महाराष्ट्र में तेंदुआ और मानव के बीच संघर्ष का मुद्दा सुर्खियों में छाया हुआ है। महाराष्ट्र के विधायक शरद सोनवणे तेंदुए की भेष वाला परिधान पहनकर विधान भवन पहुंचे थे।

जनता के बीच भय का माहौल- विधायक का दावा

विधायक शरद सोनवणे का प्रयास है कि सरकार तेंदुए के हमले की घटनाओं की तरफ ध्यान दें। बता दें कि महाराष्ट्र के नासिक, अहमदनगर और पुणे के कुछ इलाकों में तेंदुए के हमले की घटनाएं

सामने आई है। इसके कारण आम जनता के बीच भय का माहौल बन चुका है। विधायक शरद सोनवणे ने बाद में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हमले की वजह से भयावह जीवन जीने को मजबूर हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इस मामले पर तत्काल ध्यान देना चाहिए और सुरक्षा के लिए कदम उठाए जाने चाहिए।

जुन्नार के विधायक शरद सोनवणे ने कहा, "इसकी वजह से कई लोगों की जान जा चुकी है। मैं 2014 से ही यह मुद्दा उठा रहा हूं। तेंदुओं के हमलों को 'आपदा' माना जाना चाहिए और स्टेट इमरजेंसी घोषित होनी चाहिए। जुन्नार और अहिल्यानगर में दो बचाव केंद्र तुरंत बनाए जाने चाहिए। मुझे भरोसा है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस जी इस पर तुरंत कार्रवाई करेंगे। आज नागपुर के शहरी इलाके में एक तेंदुआ घुस आया।"

क्या है विधायक की मांग?

विधायक की मांग है कि वन विभाग की निगरानी हो और गश्त को मजबूत किया जाए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि गांव के पास भटक कर आने वाले तेंदुओं का वैज्ञानिक और सुरक्षित पुनर्वास किया जाए। विधायक ने मांग की कि स्थानीय मुद्दों के लिए समुदाय के लिए जागरुकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया जाए, ताकि अगर कोई तेंदुआ उन्हें दिखाई भी देता है तो वह अपना बचाव खुद कर सके।

बिजली उपभोक्ता ऑनलाइन बिल पेमेंट को पसंद कर रहे पसंद

गत माह महावितरण भांडुप सर्कल में 20 लाख से ज़्यादा ट्रांज़ैक्शन ऑनलाइन

ठाणे. आज की बिज़ी और भागदौड़ भरी ज़िंदगी में, हम आसान और कम समय लेने वाले तरीकों को पसंद करते हैं। चाहे मोबाइल बिल हो, टीवी रिचार्ज हो या ऐसे सभी ट्रांज़ैक्शन, लोगों का झुकाव डिजिटल पेमेंट की तरफ़ बढ़ा है। इसी तरह, कंज्यूमर भी लाइनों में लगने से बचने के लिए बिजली बिल भरने के लिए ऑनलाइन तरीकों को पसंद कर रहे हैं। महावितरण के भांडुप सर्कल में, नवंबर महीने में घरेलू, कमर्शियल और प्रोफेशनल कैटेगरी के छोटे-वोल्टेज कंज्यूमर ने बिजली बिल भरने के लिए कुल 20 लाख 9 हज़ार से ज़्यादा ट्रांज़ैक्शन ऑनलाइन किए हैं।

नवंबर महीने में, भांडुप सर्कल के पेन सर्कल में 4,31,090, ठाणे सर्कल में 6,51,598 और वाशी सर्कल में सबसे ज़्यादा 9,26,878

ऑनलाइन पेमेंट किए गए। बिना लाइनों में लगे ऑनलाइन बिजली बिल भरने वाले बिजली कंज्यूमर ने भी बड़ी संख्या में तुरंत पेमेंट डिस्काउंट का फ़ायदा उठाया है। ऑनलाइन बिजली बिल भरने पर 0.25 प्रतिशत (500 रुपये तक) की छूट दी जा रही है। ग्राहक महावितरण के मोबाइल ऐप या आधिकारिक वेबसाइट के ज़रिए क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, यूपीआई, भीम ऐप, इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल वॉलेट और मोबाइल बैंकिंग के ज़रिए घर बैठे आसानी से और सुरक्षित तरीके से अपने बिजली बिल का भुगतान कर सकते हैं।

खास बात यह है कि अगर आप बिजली बिल के लिए प्रिंटेड कागज का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद कर देते हैं और सिर्फ 'ईमेल' और 'एसएमएस' का विकल्प चुनते हैं, तो महावितरण हर बिल पर 10 रुपये की छूट दे रहा है। इसमें ग्राहकों को अपने बिजली बिल में हर साल 120 रुपये का फायदा हो रहा है। खास बात यह है कि गो-ग्रीन योजना का विकल्प चुनने के बाद संबंधित ग्राहकों के पहले बिजली बिल में अगले 12 महीनों तक एकमुश्त 120 रुपये की छूट दी जा रही है। ऑनलाइन बिजली बिल पेमेंट का तरीका बहुत सुरक्षित है और अगर इस बारे में कोई शिकायत या शक है, तो कस्टमर महावितरण की ईमेल ID helpdesk_pg@mahadiscom.in पर संपर्क कर सकते हैं। महावितरण भांडुप सर्कल के चीफ इंजीनियर संजय पाटिल ने कस्टमर्स से अपील की है कि वे अपने बिजली बिल ऑनलाइन पेमेंट करें और इसका फायदा उठाएं।

MLIT-जापान और ठाणे मनपा के बीच

स्मार्ट सिटी इनोवेशन के लिए हुआ करार

ठाणे. जापान के भूमि, बुनियादी ढांचा और परिवहन मंत्रालय MLIT और TMC) के बीच सूचना प्रौद्योगिकी और स्मार्ट सिटी इनोवेशन के क्षेत्र में सहयोग के लिए एक समझौता करार पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ठाणे में डिजिटल शासन, अधिक प्रभावी नागरिक सेवाओं और स्मार्ट बुनियादी ढांचे के विकास को एक नई गति देगा।जापान के भूमि, बुनियादी ढांचे और परिवहन मंत्रालय और ठाणे मनपा के बीच जापान में आयोजित एक समारोह में एक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। समारोह में सूचना परियोजना उप मंत्री MLIT कावामुरा केनिची, ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव शामिल हुए।कार्यक्रम का उद्घाटन ठाणे मनपा आयुक्त राव ने किया । हस्ताक्षर समारोह आयुक्त सौरव राव के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया था। अधिकारियों ने कहा कि TMC की डिजिटल बदलाव की पहल के लिए उनकी स्ट्रेटेजिक दिशा से यह एग्रीमेंट और मजबूत हुआ है और उनकी भागीदारी ने ठाणे मनपा की इंटरनेशनल बेस्ट प्रैक्टिस अपनाने की प्रतिबद्धता को मजबूती से दिखाया है।इस सहयोग एग्रीमेंट के तहत, इन्फॉर्मेशन प्रोजेक्ट MLIT और ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन

TMC मिलकर ठाणे शहर की जरूरतों के हिसाब से स्मार्ट इंफ्रास्ट्रक्चर सिस्टम डेवलपमेंट, कैपेसिटी बिल्डिंग, एन्हांसमेंट, नॉलेज शेयरिंग और कटिंग-एज डिजिटल सॉल्यूशंस के पायलट इम्प्लीमेंटेशन जैसी एक्टिविटीज को लागू करेंगे।आयुक्त सौरव राव ने कहा कि यह पार्टनरशिप इनोवेटिव टेक्नोलॉजी के तेजी से प्रसार के जरिए ठाणे में एक कुशल, लचीली और नागरिक-केंद्रित शहरी शासन प्रणाली विकसित करने में मदद करेगी।आयुक्त राव ने कहा कि ठाणे के डिजिटल बदलाव को तेज करने के लिए लागू की गई स्ट्रेटेजिक दिशा और विजन को भी इस एग्रीमेंट में हाईलाइट किया गया है और ठाणे मनपा इंटरनेशनल बेस्ट प्रैक्टिस अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

मनपा आयुक्त राव के गाइडेंस में की गई पहल

इस साइन किए गए एग्रीमेंट ने भारत-जापान सहयोग में एक नए युग की शुरुआत की है और आने वाले सालों में असरदार डिजिटल प्रोजेक्ट्स और शेयर्ड टेक्नोलॉजिकल प्रोग्रेस के रास्ते को और मजबूत करेगा। इस एग्रीमेंट के अनुसार, दोनों ऑर्गनाइज़ेशन ICT बेस्ड सॉल्यूशन, स्मार्ट सिटी मैनेजमेंट, टेक्निकल नॉलेज एक्सचेंज और इनोवेटिव प्रोजेक्ट्स को लागू करने में सहयोग करेंगे। यह पहल मनपा आयुक्त राव के गाइडेंस में की गई थी। इस पहल को लागू करने में, स्मार्ट सिटी ठाणे के CEO संदीप मालवी, इन्फॉर्मेशन एंड टेक्नोलॉजी डिपार्टमेंट के उपायुक्त सचिन सांगले और कंसल्टेंसी फर्म मेसर्स पैलेडियम ने सहयोग एग्रीमेंट का ड्राफ्ट बनाने और कोऑर्डिनेट करने में अहम योगदान दिया।

मनसे प्रमुख राज ठाकरे ठाणे की अदालत में पेश हुए

ठाणे. महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे बृहस्पतिवार को 2008 के दंगा मामले में ठाणे जिले की एक अदालत में पेश हुए और खुद को निर्दोष बताया। उनके वकील ने यह जानकारी दी।

जब मनसे अध्यक्ष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ए वी कुलकर्णी के सामने पेश हुए तो बड़ी संख्या में उनके समर्थक बाहर जमा हो गए।

अदालत ने 19 अक्टूबर, 2008 को उम्मीदवारों तथा पुलिसकर्मियों पर हमले तथा दंगे की घटना के सिलसिले में राज ठाकरे और उनकी पार्टी के कई कार्यकर्ताओं के खिलाफ आरोप तय किए हैं।

जब मजिस्ट्रेट ने ठाकरे से पूछा कि क्या वह आरोपों को स्वीकार करते हैं, तो उन्होंने आरोप स्वीकार करने से इनकार कर दिया। उनके वकील राजेंद्र शिरोडकर ने बताया कि अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 16 दिसंबर को तय की है।

उन्होंने कहा कि मनसे प्रमुख निर्देश मिलते ही अदालती कार्यवाही में उपस्थित रहेंगे।

ठाकरे के सुनवाई के लिए पहुंचने पर अदालत परिसर में भारी भीड़ जमा हो गयी और पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए।

मनपा प्रभाग क्रमांक 22 में धर्मराजा सेवा संस्था द्वारा निकाली गई महारैली

नितेश ऐनकर के समर्थन में लोगों ने लगाए जोरदार नारे

भिवंडी. चुनाव आयोग द्वारा भिवंडी मनपा का चुनाव कभी भी घोषित किए जाने की खबरों से उत्साहित होकर नगरसेवक पद के संभावित प्रत्याशियों द्वारा जनसंपर्क अभियान शुरू कर मतदाताओं से समर्थन मांगे जाने का सिलसिला शुरू हो गया है.मनपा प्रभाग क्रमांक 22 में धर्मराजा सेवा संस्था द्वारा भव्य संकल्प महारैली निकाली गई जिसमें धर्मराजा सेवा संस्थाध्यक्ष कार्यसम्राट पूर्व पार्षद निलेश चौधरी शामिल प्रमुख रूप से शामिल थे.

गौरतलब हो कि,मनपा प्रभाग क्रमांक 22 से आगामी मनपा चुनाव लड़ने के प्रबल दावेदार प्रखर समाजसेवक नितेश ऐनकर के समर्थन में स्थानीय मतदाताओं द्वारा एकजुटता से जनसमर्थन हेतु विशाल निकाली गई. धर्मराजा संस्था द्वारा हजारों परिवारों की मदद का पुनीत कार्य कोरोना काल में किए जाने का भारी प्रतिसाद

स्थानीय लोगों ने रैली में हिस्सेदारी लेकर दिखाई.फ़ेनापाडा क्षेत्र से मनपा चुनाव लड़ने के प्रबल दावेदार इंसानियत और समाजसेवा को जीवन का धर्म मानने वाले नितेश नामदेव ऐनकर का कहना है कि,धर्मराजा संस्था के माध्यम से कई वर्षों से जरूरतमंदों की निःस्वार्थ सेवा में जुटा हूं. समाजसेवा मेरे जीवन की पहली प्राथमिकता है.विरोधियों पर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि,कुछ उम्मीदवार अपनी राजनीति चमकाने के लिए मैदान में उतर रहे है लेकिन कोरोना काल में सभी डरकर बिल में छिप गए थे.मैने धर्मराजा संस्था से जुड़े अपने तमाम सहयोगियों के साथ कोरोना काल में गरीब, जरूरतमंद लोगों की हर संभव मदद की और घरों में खाना,दवा पहुंचाने का काम जान जोखिम में डालकर किया किया.पूर्व पार्षद निलेश चौधरी की अगुवाई में फेने गांव से शिवाजी नगर,आर्शीवाद नगर,गणेश नगर,भाग्य नगर तक संकल्प यात्रा निकालकर लोगों से समाजसेवी नितेश ऐनकर की खातिर सैकड़ों समर्थकों ने आगामी मनपा चुनाव के लिए स्थानीय लोगों से समर्थन मांगा जिसका भारी प्रतिसाद क्षेत्रीय लोगों ने समर्थन व्यक्त कर दिया.जन समर्थन महारैली में धर्मराजा संस्था प्रमुख मनपा पूर्व पार्षद निलेश चौधरी, समाजसेवक नितेश ऐनकर, मयूर चौधरी, कपिल ऐनकर, कल्पेश ठाकुर,नरेश दायमा, व्यंकटेश श्रीमल, रवि लगीशेटी, संपत पोगुल, राजेश सरोज,गजानंद जोगदे,संजय ठाकुर, प्रेम तिवारी, रामलू जिंदम सहित युवा वर्ग, शिक्षित वर्ग,महिलाएं,पुरुष भारी तादाद में उपस्थित थे.

धर्मवीर आनंद दिघे लाइब्रेरी व अभ्यासिका इमारत का उद्घाटन

ठाणे. डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के मार्गदर्शन में पूर्व नगरसेवक विकास रेपाले और पूर्व नगरसेविका नम्रता भोसले-जाधव के कॉन्सेप्ट से कशिश पार्क में अपडेटेड धर्मवीर आनंद दिघे लाइब्रेरी और अभ्यासिका बनाई गई है। बिल्डिंग के बड़े हिस्से का उद्घाटन हाल ही में सांसद नरेश म्हस्के ने किया।धर्मवीर आनंद दिघे के प्रेरणा से प्रभावित होकर, विकास रेपाले और नम्रता भोसले जाधव का मकसद ज्ञान का दीया जलाना और खुले आसमान के नीचे और खुशनुमा माहौल में पढ़ाई के लिए अच्छा माहौल देना है। इसके लिए उन्होंने लाइब्रेरी और अभ्यासिका बनाई है।यह स्टूडेंट्स को ज्ञान पाने और पढ़ने के प्रति उनके लगाव को बढ़ाने के लिए प्रेरित करने की एक छोटी सी कोशिश है। विकास रेपाले और नम्रता भोसले जाधव ने ठाणे के सभी स्टूडेंट्स और नागरिकों से इस लाइब्रेरी का फ़ायदा उठाने की अपील की। यह इस लाइब्रेरी से पढ़कर एक उज्ज्वल भविष्य बनाने की एक सच्ची कोशिश है, जिसे एक छोटे से कमरे में पढ़ते समय स्टूडेंट्स को होने वाली बहुत ज़्यादा मुश्किलों को ध्यान में रखकर बनाया गया था।इस अवसर पर आशुतोष म्हस्के, सीनियर कवि अरुण म्हात्रे, पूर्व पुलिस अधिकारी काशीनाथ कचरे और शिवसेना के पदाधिकारी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

बॉलीवुड में मुझसे मौके छीने गए

ब्रिज समिट में बोलीं- शुरुआत में ना कहने का प्रिविलेज नहीं था

अब मेरे पास चुनने का अधिकार है

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों ही जगह अपनी पहचान बना चुकी हैं। एक्टिंग के अलावा वो हर मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखने के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में वो अबू धाबी में आयोजित ब्रिज समिट का हिस्सा बनीं। यहां उन्होंने इंडिया में अपने करियर के दौरान मिली चुनौतियों पर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे करियर के शुरुआती फेज में उनके पास ना कहने का प्रिविलेज नहीं था और उनसे अवसर छीन लिए गए थे।

प्रियंका ने अपने प्रोफेशनल जर्नी में आए बदलावों के बारे में बात करते हुए कहा- 'ऐसा नहीं था कि मुझे अवसर दिए गए थे, बल्कि मौके मुझसे छीन लिए गए थे। इसलिए मुझे अपनी रणनीति बदलनी पड़ी। एक साल ऐसा भी था जब मेरी छह फिल्में लगातार फ्लॉप हो गईं।

लोग मुझे कास्ट करने से डरने लगे क्योंकि फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगी। इसलिए हारने के डर से, मुझे अपनी कंफर्टेबल स्थिति को छोड़कर कुछ नया करने की कोशिश करनी पड़ी। मुझे अवसर बनाने पड़े। मेरे बदलाव कभी भी पसंद के आधार पर नहीं थे। वे काफी हद तक सर्वाइवल के लिए थे।'

उन्होंने आगे कहा- 'जब मैंने पहली बार काम करना शुरू किया, तो मैंने हर चीज के लिए हां कह दी क्योंकि हर मौका एक प्रिविलेज था। काम मिलना ही मुश्किल था। मैंने हर अवसर को स्वीकार किया। लगातार यात्रा करती रही और परिवार के कई जरूरी पलों को मिस किया क्योंकि काम ठुकराना मेरे लिए कोई विकल्प ही नहीं था।

अब मुझे चुनने का अधिकार है। अब मैं सोच-समझकर हां कहती हूं। मैं फायदे और नुकसान का आकलन करती हूं। मैं अपने परिवार, अपनी मेंटल पीस और अपने लॉन्ग टर्म होने वाले प्रभाव के बारे में सोचती हूं। इसी तरह आप अपने फ्यूचर के ऑप्शन को सुरक्षित रख सकते हैं।'

प्रियंका की अपकमिंग प्रोजेक्ट्स की बात करें तो पहली एसएस राजामौली के साथ उनकी फिल्म 'वाराणसी' और दूसरी अमेरिकी जासूसी एक्शन ड्रामा 'सिटाडेल' का दूसरा सीजन है।

'वाराणसी' फिल्म फिलहाल अंडर प्रोडक्शन में है और इसमें महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म के जरिए प्रियंका लंबे समय बाद भारतीय स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। यह फिल्म साल 2027 के मकर संक्रांति पर रिलीज होगी।

सेंचुरी हाईस्कूल का वार्षिक क्रीड़ स्पर्धा व पारितोषिक वितरण समारोह संपन्न

उल्हासनगर. सेंचुरी रेयान हाई स्कूल ने रामलीला ग्राउंड में सालाना स्पोर्ट्स कॉम्पिटिशन और प्राइज़ डिस्ट्रीब्यूशन सेरेमनी जोश भरे माहौल में की। प्रोग्राम में चीफ गेस्ट के तौर पर वाइस प्रेसिडेंट HR श्रीकांत गोरे की मौजूदगी ने सेरेमनी को और भी शानदार बना दिया।

प्रोग्राम की अध्यक्षता स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती वंदना युवराज भदाने ने की। डिप्टी प्रिंसिपल श्री प्रमोद पारशी, साथ ही सुपरवाइज़र

श्री दत्तात्रेय दुधवाड़े, श्रीमती विद्यारानी जी. और श्रीमती सीता साहू मौजूद थे। स्पोर्ट्स टीचर, दूसरे टीचर और प्यारे स्टूडेंट्स की मौजूदगी ने ग्राउंड को रोशन और जोश से भर दिया।

इन कॉम्पिटिशन में 800 मीटर दौड़, 400 मीटर दौड़, रिले रेस, शॉट पुट और लॉन्ग जंप शामिल थे। स्टूडेंट्स ने सभी कॉम्पिटिशन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, और बहुत अच्छा स्पोर्ट्समैनशिप, जोश और खेल भावना दिखाई।

जीतने वाले स्टूडेंट्स को चीफ गेस्ट ने प्राइज़ दिए। प्रिंसिपल श्रीमती भदाने ने स्टूडेंट्स को डिसिप्लिन, कोऑपरेशन और लगन के साथ-साथ स्पोर्ट्स की इंपोर्टेंस के बारे में बताया। इस फंक्शन को टीचर्स ने कोऑर्डिनेट किया और स्कूल के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट ने वोट ऑफ़ थैंक्स दिया। जोश, एनर्जी और कॉम्पिटिशन से भरा यह स्पोर्ट्स फेस्टिवल स्टूडेंट्स के लिए इंस्पायरिंग था।

नौकरानी 4 दिन गायब रही तो तान दी 'बंदूक'

ठाणे. कासारवडवली में एक दिन की छुट्टी लेकर चार दिन घर का काम करने नहीं आने पर घर की मालकिन और काम करने वाली महिला में विवाद हो गया. इस विवाद में मालकिन के बेटे ने काम करने वाली महिला के परिवार पर बंदूक तान दी. इस मामले में कासारवडवली पुलिस ने घर मालकिन मोनिका शर्मा और उसके बेटे को हिरासत में लिया है. हालांकि पुलिस की जांच में वह बंदूक असली नहीं थी, बल्कि बंदूक जैसी दिखने वाला लाइटर निकली. मिली जानकारी के मुताबिक, घोडबंदर रोड स्थित वाघबील में जानगिड गैलेक्सी टॉवर में रहने वाली घर मालकिन मोनिका शर्मा के घर एक महिला पिछले 6 महीनों से घर का काम करती है.

CHANGE OF NAME

I hereby declare that my former name was **SRIJITH MOHAN,** and I have changed it to **SRIJITH RAYAROTH VACHALI MOHAN.** Henceforth, I shall be known as **SRIJITH RAYAROTH VACHALI** for all purposes and records.

Add. 4 Udaya Park, ITI Colony, Ambernath East

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099